वर्ष-12 अंक-05 — प्रयागराज, रविवार 04 फरवरी 2024 से शनिवार 10 फरवरी 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

आधुनिक समाचार नेटर्वक

Download From Google Play Adhunik Samachar

राष्ट्रपति जो बाइडन ने दक्षिण कैरोलिना में डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में जीत की हासिल

कोलंबिया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दक्षिण कैरोलिना में डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल की। जो बाइडन ने शनिवार को मिनेसोटा प्रतिनिधि डीन फिलिप्स और शनिवार को मिनेसोटा प्रतिनिधि डीन फिलिप्स और लेखक मैरिएन विलियमसन समेत दक्षिण कैरोलिना में अन्य लंबे समय से चले आ रहे डेमोक्रेट को हरा दिया। राष्ट्रपति जो

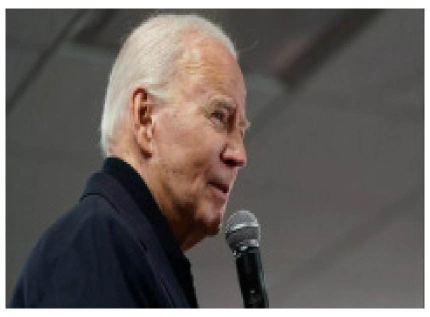

बाइडन ने चुनावी अभियान के लिए भारी निवेश किया है ताकि अधिक से अधिक वोट उन्हें मिल सके।जो बाइडन ने इस चुनाव में अच्छी जीत हासिल की है, जो उन्हें मुख्य चुनाव में मदद पहुंचाएगा।

लेखक मैरिएन विलियमसन समेत दक्षिण कैरोलिना में अन्य लंबे समय से चले आ रहे डेमोक्रेट को हरा दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दक्षिण कैरोलिना में डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल की। जो बाइडन ने राष्ट्रपति जो बाइडन ने चुनावी अभियान के लिए भारी निवेश किया है, ताकि अधिक से अधिक वोट उन्हें मिल सके। खास कर ब्लैक वोटर्स पर उनकी नजर है, जो चुनाव में निर्णायक भूमिका में हैं।

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न सम्मान दिए जाने पर शरद पवार ने जताई खुशा बोले- देश के विकास में उनका बहुमूल्य योगदान

(आधुनिक समाचार सेवा)

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से बागेश्वर धाम आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री जी द्वारा रचित पुस्तक ''सनातन धर्म क्या है'' का विमोचनस्वामी चिदानन्द सरस्वती जी का पावन सानिन्ध्य और

आशीर्वादजहां सब समान, सब का सम्मान वही इस देश का स्वाभिमान और संविधानसनातन डेंगू नहीं बल्कि डिवाइन हैस्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ऋषिकेश/दिल्ली, 3 फरवरी। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस अवसर पर सभी महापुरूषों ने अपने विचार व्यक्त किये तथा पत्रकार वार्ता का भी आयोजन किया गया।लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रतन से सम्मानित किए जाने पर खुशी है। उन्होंने देश के विकास में बहुमूल्य योगदान दिया है। हार्दिक बधाई।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रतन से सम्मानित करने के केंद्र सरकार के फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री और वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रतन से सम्मानित किए जाने पर खुशी हउन्होंने देश के विकास में बहुमूल्य योगदान दिया है। हार्दिक बधाईदिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी लालकृष्ण आडवाणी को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भारत रत्न पुरस्कार की घोषणा पर वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी जी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामना। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह हमेशा स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों।''

बागेश्वर धाम आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री जी द्वारा रचित पुस्तक सनातन धर्म क्या है के विमोचन अवसर पर सहभाग कर सभी को आशीर्वाद प्रदान किया।

(आधुनिक समाचार सेवा)

बागेश्वर। धामसनातन धर्म क्या है'' पुस्तक के विमोचन अवसर पर बागेश्वर धाम आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री जी, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, लोकसभा सदस्य श्री मनोज तिवारी जी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री सुधांशु त्रिवेदी जी और अन्य विशिष्ट अतिथियों का सानिन्ध्य प्राप्त हुआ। आचार्य श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी ने बताया कि सनातन धर्म क्या है इस पुस्तक को सभी को पढ़ना चाहिये। हमारी कोशिश होगी कि यह पुस्तक सभी बच्चों तक पहुंचायी जाये ताकि वे अपनी संस्कृति व सनातन धर्म के विषय में जान सके।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि सनातन वह है, वह जिसे टच कर लें वह डिवाइन हो जाता है; सनातन मस्त कर देने वाला है। जब तक भारत के पास तपस्वी, यशस्वी और ऊर्जावान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी है तब तक सभी शक से नहीं बल्कि हक से जियें। इस समय हमें किसी चीज की जरूरत है तो वह है एक-दूसरे के साथ बैठकर संवाद को महत्व दे और समाधान ढूंढें। माननीय प्रधानमंत्री जी ने श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन कहा कि राम, आग नहीं ऊर्जा है, राम, विजय नहीं विनय है और राम, विवाद नहीं समाधान है इन तीनों में ही उन्होंने सनातन का संदेश दे दिया।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि हर भारतीय चाहे वह भारत या फिर विश्व ग्लोब पर कहीं भी रहता है परन्तु उसके दिल में राष्ट्र प्रथम, राष्ट्र हित और राष्ट्र प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं है, जिसके चारों ओर सीमायें हो बल्कि भारत तो माता है, जिसके अपने नैतिक मूल्य, संस्कार व गौरवशाली संस्कृति है जो सदियों से चली आ रही है और यही संस्कृति सनातन का स्वरूप है।इस संस्कृति के कण-कण व रज-रज में वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः, आनो भद्रा आदि अनेक दिव्य मंत्रों का नाद समाहित है। जिसकी कहानियों ने वीरता, शूरता, धैर्य, शान्ति, एकता व सम्प्रभुता विद्यमान है। भारतीयों का भारत से केवल जमीनी रिश्ता नहीं है बल्कि भावनात्मक, आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक रिश्ता है। भारत का इतिहास परम्पराओं से और भविष्य आकांक्षाओं से भरा हुआ है और यही सनातन धर्म हमें शिक्षा देता है।भारत अपने लिये नहीं बल्कि अपनों के लिये जीता है और उन अपनों में सम्पूर्ण विश्व समाहित है। भारत की अपनी आवाज़ है, अपनी दिव्य ऊर्जा है और वह आवाज़ व ऊर्जा सनातन की है।भारत का यह अमृत काल है इसमें प्रत्येक भारतीय को स्वहित व राष्ट्रहित के बीच संतुलन स्थापित करना होगा तथा प्रत्येक युवा को राष्ट्रहित के लिये अग्रणी शक्ति के रूप में भूमिका निभानी होगी। हम सौभाग्य शाली है कि वर्तमान में माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के रूप में एक कुशल नेतृत्व हमारे पास है।

भारत दौरे पर आएंगे फिजी के उपप्रधानमंत्री बिमान प्रसाद, अयोध्या में रामलला के करेंगे दर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद एक हफ्ते की भारत यात्रा पर आ रहे हैं। वे रविवार को यहां आएंगे और वह अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, फिजी के उप प्रधान मंत्री रविवार को दिल्ली पहुंचेंगे। उनकी यात्रा चार से दस फरवरी तक चलेगी और 11 फरवरी को वह अपने देश लौट जाएंगे।फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद एक हफ्ते की भारत यात्रा पर आ रहे हैं। वे रविवार को यहां आएंगे और वह अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार फिजी के उप प्रधान मंत्री रविवार को दिल्ली पहुंचेंगे। उनकी यात्रा चार से दस फरवरी तक चलेगी और 11 फरवरी को वह अपने देश लौट जाएंगे।बिमान प्रसाद पहले विदेशी नेता हैं जो 22 जनवरी को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अयोध्या का दौरा करेंगे और रामलला का दर्शन करेंगे। राष्ट्रीय

राजधानी दिल्ली आने के बाद एक दिन बाद सोमवार को उनके आधिकारिक कार्यक्रम शुरू होंगे। पांच फरवरी को वह विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक के साथ-साथ विदेश और शिक्षा राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह से मुलाकात करेंगे।इसके बाद बिमान प्रसाद छह फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे और सात फरवरी को एक अन्य कार्यक्रम के लिए गोवा जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा है, आठ फरवरी को उनका अयोध्या जाने का कार्यक्रम है।

मणिपुर के हित में महत्वपूर्ण निणर्य लेने की तैयारी में केंद्र, मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि केंद्र राज्य के लोगों के हित में कुछ महत्वपूर्ण निणर्य लेने की तैयारी में है। सिंह ने यह बात केंद्रीय गृहमंत्री

अमित शाह से मुलाकात के बाद कही।मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि केंद्र राज्य के लोगों के हित में कुछ महत्वपूर्ण निणर्य लेने की तैयारी में है। सिंह ने यह बात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद कही। इस दौरान सिंह ने मणिपुर से संबंधित सर्वाधिक महत्व के मामलों पर चर्चा की। मणिपुर में छिटपुट जातीय हिंसा जारी रहने के बीच सिंह ने शाह से मुलाकात की इस दौरान सिंह ने मणिपुर से संबंधित सर्वाधिक महत्व के मामलों पर चर्चा की। मणिपुर में छिटपुट जातीय हिंसा जारी रहने के बीच सिंह ने शाह से मुलाकात की। सिंह ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि शनिवार को मुझे नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री, अमित शाह से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।मुख्यमंत्री ने यह नहीं बताया कि फैसले क्या हो सकते हैं। बहुसंख्यक मैतेयी समुदाय की अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित करने के बाद तीन मई, 2023 को राज्य में जातीय हिंसा भड़क उठी थी। तब से जारी हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

लोकसभा चुनाव के लिए प्लान तैयार करने में जुटी कांग्रेस, यूपी की 46 सीटों पर उतारे नए कोऑर्डिनेटर

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। कांग्रेस ने 80 लोकसभा सीटों पर कोऑर्डिनेटर नियुक्त करने के बाद लगभग तीन सप्ताह बाद 46 सीटों पर नए चेहरों को अब यह जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी नेताओं का

कहना है कि पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारियों को जिलों के साथ ही लोकसभा सीट के कोऑर्डिनेटर का जिम्मा भी सौंप दिया गया था।2024 कांग्रेस ने 80 लोकसभा सीटों पर कोआर्डिनेटर नियुक्त करने के बाद लगभग तीन सप्ताह बाद 46 सीटों पर नए चेहरों को अब यह जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारियों को जिलों के साथ ही लोकसभा सीट के कोआर्डिनेटर का जिम्मा भी सौंप दिया गया था। इनमें कई पदाधिकारियों को ऐसी लोकसभा सीट का जिम्मा सौंप दिया गया था।इनमें कई पदाधिकारियों को ऐसी लोकसभा सीट का जिम्मा सौंप दिया गया था, जो उनके जिले से दूर थी। इसे लेकर व्यावहारिक दिक्कतों को देखते हुए अब लखनऊ, अमेठी, कानपुर, बरेली, शाहजहांपुर, सुलतानपुर समेत 46 लोकसभा सीटों के कोआर्डिनेटर बदले गए हैं।

पहाड़ों पर बर्फबारी तो मैदानी इलाकों में बारिश ने बढ़ाई परेशानी, दिल्ली में बढ़ी ठंड जानें अन्य राज्यों का हाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। दिल्ली में एक बार फिर बारिश और बर्फीली हवाओं के साथ ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आज दिनभर बारिश हो सकती है। इसके बाद 5 और 6 फरवरी को कोहरा वापसी करेगा। इसके बाद 7 फरवरी से तेज बर्फीली हवाएं चलेंगी। वहीं, हिमाचल के कई जिलों में आंधी व भारी बर्फबारी को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली के अलावा सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, तटीय ओडिशा और राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में हल्की बारिश हुई।पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी से एक बार फिर पारा लुढ़कने लगा है। हिमाचल में बर्फबारी और बारिश ने लोगों की समस्या बढ़ा दी है। दिल्ली में रविवार सुबह हल्की बारिश हुई। बारिश के कारण एक बार फिर ठंडी हवाओं के साथ दिल्ली में ठंड महसूस की गई। मौसम विभाग के अनुसार आज दिनभर बारिश हो सकती है। इसके बाद 7 फरवरी से तेज बर्फीली हवाएं चलेंगी।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आस-पास के इलाकों में रविवार सुबह हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने के कारण दिल्ली

में रविवार को आकाश में बादल छाए रहेंगे। साथ हल्की बारिश या तेज हवा के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसलिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इसके बाद दो दिन मध्यम से घने स्तर का कोहरा हो सकता है।वहीं, दिल्ली में बारिश, हल्के कोहरे और शरद हवाओं के बीच इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कई उड़ानें प्रभावित हुईं।

किसान सभा ने केन्द्रीय बजट की प्रतियां जलाकर विरोध प्रकट किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा ।नोएडा किसान सभा के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों के दिन-रात के धरने के पांचवें दिन केंद्रीय बजट की प्रतियां जलाकर विरोध प्रकट किया गया-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसान सभा के धरने का पांचवा दिन रहा धरने की अध्यक्षता पप्पू ठेकेदार ने की धरने का संचालन सतीश यादव ने किया धरने पर स्थित सैकड़ो महिला पुरुष किसानों ने मिलकर केंद्र सरकार के किसान विरोधी बजट की प्रतियां जलाई किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने धरने को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का 1 फरवरी को पेश बजट किसान विरोधी है जहां केंद्र सरकार ने पूंजीपतियों के 10:50 लाख करोड रुपए माफ किए हैं वही किसान कर्ज के कारण आत्महत्या करने को मजबूर हैं किसानों को खाद और डीजल बिजली महंगे दामों पर खरीदना पड़ रहा है जिससे खेती घाटे की वजह बन गई है सरकार पूरी तरह पूंजी परस्त है मोदी सरकार जब अस्तित्व में आई थी उसने चार बार भूमि अधिग्रहण कानून को अध्यादेश लाकर बदलने की कोशिश की थी किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा 10ड्ढ आबादी प्लाट और नये कानून को लागू करने की मांग को लेकर यह दूसरे चरण का आंदोलन है पूरे जिले के किसान मिलकर 7 तारीख को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर महापंचायत का आयोजन कर रहे हैं और 8 तारीख को संसद का मार्च करेंगे किसान सभा के महासचिव जगबीर नंबरदार ने कहा किसान सभा की लड़ाई आर पार की है किसानों को हक दिलाकर ही दम लेंगे किसान सभा के उपाध्यक्ष अजब सिंह नेताजी ने कहा सैकड़ो की संख्या में हर गांव से किसान महापंचायत में शामिल होंगे आंदोलन के 21 मुद्दों में 19 मुद्दे प्राधिकरण स्तर पर तय होने हैं जिनमें कुछ मुद्दों पर प्राधिकरण ने कार्रवाई भी शुरू कर दी है 10ड्ढ प्लाट एवं नए कानून को लागू करने का मुद्दा बोर्ड बैठक से

पास होकर शासन की मंजूरी के लिए गया है आगामी चुनाव से पहले ही सरकार को निणर्य करना पड़ेगा अन्यथा किसान सभा प्राधिकरण को बंद करने का निणर्य भी कर सकती है। आज के धरना प्रदर्शन में नितिन चौहान, धीरज भाटी, बच्चन भाटी, अजय पाल भाटी गुरप्रीत एडवोकेट नीरज शर्मा बाबा संतराम इंद्रजीत भाटी गवरी मुखिया सुरेश यादव सतीश यादव सुरेंद्र यादव मोहित नागर प्रशांत भाटी जितेंद्र मैनेजर रीना देवी तिलक देवी राजेश देवी रईसा बेगम कमलेश देवी पूनम देवी मनवीर भाटी खानपुर सुशील सुनपुरा, मुकेश खेड़ी, यतेंद्र, खुशी चेची, अंकित यादव, देशराज चौहान, डॉक्टर ओम प्रकाश, यतेंद्र भाटी एवं बड़ी संख्या में महिला पुरुष किसान उपस्थित रहे।

सपा नोएडा महानगर ने सेक्टर 128 व सेक्टर 73 में पीडीए पंचायत कर जानी लोगों की समस्याएं

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा ।नोएडा सपा नोएडा महानगर ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में सेक्टर 128 में महानगर उपाध्यक्ष संजय त्यागी की अध्यक्षता में व सेक्टर 73 सर्फाबाद में मोहित यादव की अध्यक्षता में पीडीएफ पंचायत कर वहां के लोगों की समस्याएं जानी और यथासंभव उसको दूर करने का भी प्रयास किया।महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि सपा के शासन में जनता को सस्ती खाद, बीज, दवा, शिक्षा ,चिकित्सा, बिजली

दी गई ।किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिया गया ।और 65 लाख महिलाओं को पेंशन दी गई थी। जबकि वर्तमान सरकार ने महंगाई को बढ़ाया है आदमी को दो वक्त की रोटी जुटाना मुश्किल हो गया है किसान आत्महत्या कर रहा है। बेरोजगारी भी बढ़ी हुई है। महासचिव विकास यादव ने कहा कि सपा सरकार ने लोगों को 100 नंबर 102 नंबर 108 नंबर एंबुलेंस की सुविधा दी गई जबकि वर्तमान सरकार सिर्फ लोगों को उलझाने में व्यस्त है।कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में विनोद यादव ,टीटू यादव , विकास कुंडिया ,वीरपाल अवाना ,रविंदर यादव ,रिशिपाल यादव,अतुल यादव, सौरभ चौहान ,समर यादव ,रोहित यादव, मोहम्मद रफीक समर यादव, अंबिका यादव, शिवम यादव, कन्हैया मिश्रा, सूरज सिंह, नरेश शर्मा, रविंद्र सिंह, गौरव त्यागी ,देवेंद्र, श्याम, आकाश ,सोनू ,फिरोज, शोएब विपिन, मनीष, आदेश, गजेंद्र ,विवेक, मनोज, राज चौहान, नीतू, राजकुमार, भीम सिंह, नाथू त्यागी, राजेंद्र त्यागी, नरेंद्र त्यागी ,बृजेश, महेंद्र, अशोक, हरीराज ,मनोज ,अशोक ,सोमदत,जोगिंदर,दुलीचंद ,डॉ राजीव, संजय, राहुल, सोनू , मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जनपद में विशेष सतर्कता हेतु कलेक्ट्रेट में कन्ट्रोल रूम स्थापित

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि जनपद न्यायालय वाराणसी में विचाराधीन ज्ञानव्यापी विवाद में पारित आदेश के परिप्रेक्ष्य

में परिव्याप्त संवेदनशीलता एवं शांति व्यवस्था सम्बन्धी उत्पन्न स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये सम्पूर्ण जनपद क्षेत्र में विशेष सतर्कता के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट स्थित मीटिंग हाल में कन्ट्रोल रूम बनाया गया है जिसका दूरभाष नम्बर 05342-220405 है तथा कन्ट्रोल रूम के प्रभारी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट है जिनका मोबाइल नम्बर 9026713309 है। कन्ट्रोल रूम प्रभारी के सहयोग में पारसनाथ प्रशासनि अधिकारी सम्बद्ध जे0आर0के0 व रात्रि में वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी सम्बद्ध ए0आर0ए0 रहेगें। उन्होने कन्ट्रोल रूम में शिफ्टवार कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगा दी है

जन जागृति फाउंडेशन के द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए शुरू की गयी निःशुल्क भोजन सेवा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा।नोएडा प्राचीन शनि- हनुमान मंदिर, सेक्टर 121 में सामाजिक संस्था जन जागृति फाउंडेशन के द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए 'प्रभु की रसोई' के माध्यम से निःशुल्क भोजन सेवा की शुरुआत की गई है। इस अवसर पर कोनरवा अध्यक्ष पी एस जैन, राजस्थान विकास परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजू माथुर के साथ ही शहर के समाज सेवी व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य व वरिष्ठ कार्यकर्ता सत्यम पांडेय ने बताया इस पुनीत कार्य में लोगों की सहभागिता और सहयोग सराहनीय है। संस्था द्वारा प्रत्येक शनिवार को प्रभु की रसोई द्वारा जरूरतमंद प्रभुजनों के लिए भोजन सेवा का संचालन लगातार जारी रहेगा।

सखी वन स्टॉप सेंटर के एक वर्ष हुए पुरे 150 प्रकरण किये गये दर्ज 140 का हुआ निराकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।आज दिनांक 2 फरवरी 2024 को जनपद में संचालित वन स्टॉप सेंटर द्वारा अपने सफल संचालन के 1 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में बाल कल्याण

समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, एवं कुमारी इंद्रावती जिला प्रोवेशन कार्यालय की गरिमयी उपस्थिति में केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह के द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। दीपिका सिंह द्वारा बताया गया कि वन स्टॉप सेंटर सोनभद्र द्वारा विगत 1 वर्षों में लगभग 140 महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न प्रकार से सहायता प्रदान की गई है। जिसमें घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के अंतर्गत लगभग 75 महिलाओं को विधिक एवं कानूनी सहायता प्रदान की गई और सुलह समझौता कराया गया। जनपद में हो रहे 11 बाल विवाह को वन स्टॉप सेंटर द्वारा रुकवाया गया एवं उक्त से संबंधित कृत कार्यवाही भी की गई एवं शेष अन्य प्रकरण में महिलाओं एवं बालिकाओं को पुनर्वासन एवं सरकार द्वारा संचालित अन्य महत्वपूर्ण योजना लाभान्वित करवाया गया। जिला प्रोवेशन अधिकारी द्वारा समस्त कार्मिकों बधाई देते हुए प्रोत्साहित किया ।

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा डाक पंजीयन नं. (AD-99/2021-2023)

04.02.2024 to 10.02.2024.pmd 1 2/9/2024, 5:08 PM

जेल में बंद पति को बेल दिलाने के नाम पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म, मामले में छानबीन में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । औद्योगिक थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ दो दोस्तों के रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने औद्योगिक थाने में दोनों दोस्तों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी। पुलिस को दी तहरीर में पीड़ित महिला ने बताया कि उनके पति किसी मामले में जेल में बंद हैं। उन्हें के बेल के लिए पूर्व से परिचित औद्योगिक क्षेत्र के रहने वाले एक शख्स ने बातचीत के लिए उन्हें शुक्रवार सुबह अपने घर पर बुलाया था। घर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया तो एक अज्ञात व्यक्ति ने दरवाजा खोलकर उन्हें अंदर ले गया।आरोप है कि वह कमरे में पहुंची तभी पीछे से सुरेश नंदन उन्हें दबोच लिया। उसके बाद उनका मोबाइल फोन छीनकर वह और उसके दोस्त ने बारी-बारी से उसके साथ रेप किया। उसके बाद दोनों ने धमकी दिया कि यदि मामले की कहीं शिकायत करोगी तो तुम्हें जान से मार देंगे। उधर औद्योगिक थाना इंस्पेक्टर का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। सही पाए जाने पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अचानक भूलना, नई पहचान बनाना कहीं डिसोसिएटिव डिसऑर्डर तो नहीं, हर माह आ रहे 20 से 25 मरीज

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । यह कोई आदत नहीं बल्कि डिसोसिएटिव डिसऑर्डर नामक मानसिक रोग है, जो कि तनाव की वजह से व्यक्ति में जन्म लेता है। कोरोना संक्रमण के बाद से इस प्रकार के मामले काफी बढ़े हैं।पारिवारिक कलह, पढ़ाई की चिंता, आर्थिक समस्या या किसी अन्य परेशानी के कारण व्यक्ति पर तनाव हावी होता है। कभी-कभी अधिक तनाव की वजह से कई लोग भूलना शुरू कर देते हैं, अलग पहचान बनाने लगते हैं या फिर खुद में कई पहचान स्थापित कर लेते हैं।यह कोई आदत नहीं बल्कि डिसोसिएटिव डिसऑर्डर नामक मानसिक रोग है, जो कि तनाव की वजह से व्यक्ति में जन्म लेता है। कोरोना संक्रमण के बाद से इस प्रकार के मामले काफी बढ़े हैं। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के मनोरोग विभाग और मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय के मन कक्ष को मिलाकर हर महीने ऐसे तकरीबन 20 से 25 मरीज सामने आते हैं। काउंसलिंग के दौरान इनमें अधिक तनाव का होना पाया जाता है। हैरत तो यह कि इस बीमारी की जद में अधिकतर महिला और नवयुवक आ रहे हैं।केस नंबर 1- सोहबतियाबाग के गरीब घर की 16 वर्षीय एक लड़की करीब पांच माह पहले रात में अचानक चिल्लाने लगी। पूछने पर बताया कि उसका नाम सोनू है, जो कि उसी मोहल्ले में रहता था और एक मार्ग दुर्घटना में उसकी मौत हो गई थी।पहले तो परिजन उसे मजार और नीम हकीम के पास ले गए, लेकिन दो महीने पहले जब कॉल्विन हॉस्पिटल के मन कक्ष लेकर पहुंचे, तो काउंसिलिंग में उसने बताया कि उसकी छह बहनें हैं, पिता नहीं है, मां दूसरे के घरों में बर्तन-चौका करती है। इसके कारण वह हमेशा चिंता में रहती है।केस नंबर 2- मुंडेरा की 15 वर्षीय लड़की एक दिन अचानक से दिन, तारीख भूल गई। वह वर्ष 2023 को 2022 बताने लगी। एसआरएन के मनोरोग विभाग में उसे कई प्रकार से समझाने की कोशिश की गई, मगर वह मानने को तैयार नहीं हुई। उसने बताया कि वह अधिक पढ़ाई करना चाहती थी, जिसके कारण उसे नींद तक नहीं आती है। बीते पांच महीने से उसका इलाज एसआरएन के मनोरोग विभाग में चल रहा है।

860 करोड़ रुपये से एनसीआर में बिछेंगे नए रेलवे ट्रैक, एनसीआर को मिला अब तक का सर्वाधिक बजट

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज ।एनसीआर के लिए इस बार अंतरिम बजट में मोदी सरकार ने अपना खजाना खोल दिया है। यहां मुख्य रूप से मिशन रफ्तार पर फोकस किया गया है। रेलवे की तैयारी है कि इस वर्ष के आखिर तक दिल्ली-हावड़ा रूट पर ट्रेनों की अधिकतम स्पीड 160 किमी प्रतिघंटा कर ली जाए।एनसीआर के लिए इस बार अंतरिम बजट में मोदी सरकार ने अपना खजाना खोल दिया है। यहां मुख्य रूप से मिशन रफ्तार पर फोकस किया गया है। रेलवे की तैयारी है कि इस वर्ष के आखिर तक दिल्ली-रुपये का बजट मिला है जो अब तक का सर्वाधिक है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार का बजट 366 करोड़ रुपये ज्यादा है।इसके अलावा यहां प्रयागराज से बमरौली के बीच बिछाई जाने वाली 10 किमी लंबी चौथी रेल लाइन के निर्माण कार्य को भी गति मिलेगी। यह कार्य भी दिसंबर 24 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है। फिलहाल केंद्र द्वारा स्वीकृत बजट 2024-25 में उत्तर मध्य रेलवे को विभिन्न परियोजनाओं के लिए कुल 11321.94 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है।पिछले वर्ष यहां 10955.5 करोड़ का बजट मिला था। यहां आमान परिवर्तन के लिए 590.00

हावड़ा रूट पर ट्रेनों की अधिकतम स्पीड 160 किमी प्रतिघंटा कर ली जाए।रेलवे के मिशन रफ्तार को गति देने के लिए उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) द्वारा रेल ट्रैक का नवीनीकरण किया जाएगा। इस कार्य के लिए बजट में 860 करोड़ रुपये एनसीआर के लिए स्वीकृत किए गए हैं। इस बजट से दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई रूट पर ट्रैक का नवीनीकरण होगा। एनसीआर को इस वर्ष के लिए 11321.94 करोड़ करोड़, दोहरीकरण के लिए 3669.14 करोड़, यातायात सुविधाओं के लिए 1294.91 करोड़, सड़क संरक्षा कार्यों के लिए 545.94 करोड़, पुल संबंधी कार्यों के लिए 169.75 करोड़, सिग्नलिंग कार्यों के लिए 460.00 करोड़, बिजली संबंधी कार्यों के लिए 226.81 करोड़, कर्मचारी कल्याण के कार्यों के लिए 37.73 करोड़, उपभोक्ता सुविधाओं के लिए 951.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

आरओ/एआरओ परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी, यूपी के 58 जिलों में 11 फरवरी को होगी प्रारंभिक परीक्षा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज ।आरओ/एआरओ-2023 की प्रारंभिक परीक्षा 11 फरवरी 2024 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में सुबह 9.30 से 11.30 बजे और अपराह्न 2.30 से 3.30 बजे तक होगी। आयोग ने नौ अक्तूबर 2023 को आरओ/एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था।उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। यह परीक्षा प्रयागराज सहित प्रदेश के 58 जिलों में होगी। शुक्रवार को आयोग में इन सभी जिलों के नोडल अफसरों को ट्रेनिंग दी गई।आरओ/एआरओ-2023 की प्रारंभिक परीक्षा 11 फरवरी 2024 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में सुबह 9.30 से 11.30 बजे और अपराह्न 2.30 से 3.30 बजे तक होगी। आयोग ने नौ अक्तूबर 2023 को आरओ/एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस बार परीक्षा के लिए रिकॉर्ड तोड़ 1076004 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं।आयोग की किसी भी परीक्षा के लिए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आवेदन आए हैं। इसी वजह से इस बार प्रारंभिक परीक्षा के लिए अधिक संख्या में केंद्र बनाए गए हैं। प्रारंभिक परीक्षा प्रदेश के 58 जिलों के 2387 केंद्रों में आयोजित की जाएगी। शुक्रवार को सभी 58 जिलों के नोडल अफसरों को आयोग परिसर में ट्रेनिंग दी गई। सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती, ट्रेजरी में पेपर निकलवाना और रखवाना आदि के बारे में उन्हें बताया गया।

पटेल बौद्धिक विचार मंच के सम्मेलन में देश भर से शामिल होंगे दो हजार प्रतिनिधि

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । सम्मेलन में मुख्य रूप से सरदार पटेल और आधुनिक समाज, सामाजिक समरसता, पिछड़ा वर्ग, कृषकों एवं सर्वहारा समाज, रोजगारोन्मुखी जागरुकता, शिक्षा और प्रचलित अनुष्ठान एवं रीति रिवाजों की प्रासंगिकता जैसे विषयों के अलावा समाज के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक आदि विभिन्न पहलुओं पर विचार होगा।सरदार पटेल बौद्धिक विचार मंच की ओर से लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को सरदार पटेल और सामाजिक समरसता से जुड़े विभिन्न पक्षों पर राष्ट्रीय स्तर पर बुद्धिजीवी सम्मेलन होगा। इसमें दो हजार से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। बतौर मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस दीप जलाकर इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।पटेल समाज की आबादी देश में 12 प्रतिशत से अधिक है। इसे ध्यान में रखते हुए इस सम्मेलन में अलग -अलग क्षेत्रों में योगदान देने वाले सभी प्रदेशों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इसमें पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, सेना के पूर्व अधिकारी, पूर्व और वर्तमान कुलपति, उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति, सांसद, विधान सभा, विधान परिषद सदस्य, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, सहकारी बैंकों के अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, सभासद, उद्योगपति, अधिवक्ता, शिक्षाविद, वैज्ञानिक, समाज सेवी सहित अन्य क्षेत्रों में दखल रखने वाले लगभग दो हजार लोग इसमें शामिल होंगे।पटेल बौद्धिक विचार मंच के अध्यक्ष डॉ. क्षेत्रपाल गंगवार ने इस सम्मेलन के एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में मुख्य रूप से सरदार पटेल और आधुनिक समाज, सामाजिक समरसता, पिछड़ा वर्ग, कृषकों एवं सर्वहारा समाज, रोजगारोन्मुखी जागरुकता, शिक्षा और प्रचलित अनुष्ठान एवं रीति रिवाजों की प्रासंगिकता जैसे विषयों के अलावा समाज के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक आदि विभिन्न पहलुओं पर विचार होगा।सम्मेलन में किसी राष्ट्रीय मार्ग का नाम सरदार पटेल के नाम पर किए जाने का प्रस्ताव पारित होगा। साथ ही लखनऊ और दिल्ली में पटेल स्मारक बनवाने, हर जिले में सरदार पटेल की प्रतिमा लगाने, समाज में अच्छा कार्य करने वालों को पुरस्कार, बुद्धिजीवी एप और पटेल चेतना रैली आदि पर विचार विमर्श करते हुए आगामी रणनीति तय की जाएगी।

शंकराचार्य की पेशवाई में उमड़े संत-भक्त, गोमाता को राष्ट्रमाता बनाने का एलान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । गो माता को राष्ट्रमाता के आसन पर विराजमान कराने के संकल्प के साथ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सनातन संस्कृति के मूल्यों की स्थापना को लेकर चिंतन किया। शंकराचार्य की पेशवाई का शुभारंभ मेला क्षेत्र के परेड स्थित गंगा सेवा अभियानम के शिविर से हुआ।ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शुक्रवार को माघ मेला में रथारूढ़ गो माता की झांकी के साथ प्रवेश किया। परेड मैदान से निकाली गई उनकी पेशवाई में संतों-भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान उन्होंने गो माता को राष्ट्रमाता घोषित कराने का एलान किया। इसके लिए माघ मेला शिविर में गो संसद बुलाई गई है।गो माता को राष्ट्रमाता के आसन पर विराजमान कराने के संकल्प के साथ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सनातन संस्कृति के मूल्यों की स्थापना को लेकर चिंतन किया। शंकराचार्य की पेशवाई का शुभारंभ मेला क्षेत्र के परेड स्थित गंगा सेवा अभियानम के शिविर से हुआ। गो संसद की झांकी के आगे-आगे संत अपनी गाय माता को लेकर चल रहे थे। उनके पीछे आकर्षक रूप से सजाई गई गो माता की झांकी हर किसी का ध्यान खींच रही थी। गो संसद की झांकी को जनता ने न सिर्फ निहारा, वल्कि सराहना भी की।पेशवाई की अगुवाई महामंडलेश्वर सहजानंद कर रहे थे। उनके रथ के पीछे अनेक संत धर्मध्वजा फहराते चल रहे थे। दर्जन भर से अधिक बैंडबाजा, अलग-अलग दलों के कलाकारों की ओर से रास्ते भर भक्तिगीतों की धुन बजाई जाती रही। पेशवाई में मनकामेश्वर मंदिर के श्रीधरानंद ब्रह्मचारी, संत गोबर गोपाल,स्वामी जगदीशानंद, स्वामी ब्रह्मविद्यानंद,डॉ. शैलेंद्र योगिराज समेत कई संत शामिल थे।

व्यासजी तहखाने मामले में मुस्लिम पक्ष को राहत नहीं, अगली तारीख के साथ ही सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यासजी के तहखाने में हिंदू पक्ष को मिले पूजा के अधिकार के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की ओर से दाखिल याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। फिलहाल मुस्लिम पक्ष को कोई राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने पूजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अगली सुनवाई छह फरवरी को होगी।वाराणसी स्थित ज्ञानवापी तहखाना में पूजा अर्चना की व्यवस्था देख रहे हैं।अंजुमन इंतेजामिया कमेटी के वकील एसएफए नकवी से कोर्ट ने पूछा कि बेसिक आदेश 17 जनवरी 2024 का है। उसको क्यों चुनौती नहीं दी। कमेटी के वकील ने कहा कि 31 जनवरी का आदेश आने के कारण तुरंत आना पड़ा। बेसिक आदेश को भी चुनौती देंगे। क्योंकि आदेश होते ही जिलाधिकारी ने रात में तैयारी कर ली और नौ घंटे में पूजा शुरू करा दी। कहा कि जिला जज ने अपने ही आदेश के विपरीत

अनुमति देने संबंधी जिला जज वाराणसी के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को कोई फौरी राहत नहीं मिली। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने 31 जनवरी की स्थिति बहाल करने की मांग की है। अगली सुनवाई अब छह फरवरी को होगी।न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने कहा कि मस्जिद पक्ष पहले 17 जनवरी 2024 के आदेश को चुनौती दे। इस आदेश से जिलाधिकारी वाराणसी को रिसीवर नियुक्त किया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने 23 जनवरी को ज्ञानवापी परिसर को अपने कब्जे में ले लिया है। इसके बाद जिला न्यायालय ने 31 जनवरी के अंतरिम आदेश से काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को पुजारी के जरिए तलगृह में पूजा करने की अनुमति दी है। महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्र का कहना था कि सरकार की जिम्मेदारी कानून व्यवस्था कायम रखने की है। डीएम सुरक्षा अंतरिम आदेश देकर वस्तुतःवाद स्वीकार कर लिया।हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने अपील की पोषणीयता पर आपत्ति की। कहा कि मूल आदेश को चुनौती नहीं दी गई है। अधीनस्थ अदालत ने वादी को राहत नहीं दी है। मंदिर ट्रस्ट को अधिकार दिया है। अंजुमन इंतजामिया कमेटी बृहस्पतिवार तड़के सुप्रीम कोर्ट भी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने का सुझाव दिया था।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगली तारीख छह फरवरी को सुनवाई होने तक ज्ञानवापी स्थित व्यासजी के तहखाने में पूजा होती रहेगी। सरकार को यह निर्देश दिया है कि यहां पर कोई अतिरिक्त निर्माण कार्य न कराया जाए। कोर्ट ने व्यासजी के तहखाना के अंदर पूजा पर अंतरिम रोक लगाने की मांग संबंधी मसाजिद कमेटी की याचिका पर अनुमति देने से इनकार कर दिया इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने का भी निर्देश दिया है।

सहजनवां-दोहरीघाट रेल लाइन के लिए मिले 110 करोड़, विकास परियोजनाओं से बदलेगा शहर

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर ।पूर्वोत्तर रेलवे के क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लिए काम चल रहा है। इसके अलावा तीन नई लाइनें भी बननी हैं, जिसकी घोषणा हो चुकी है। इनमें सबसे बड़ी परियोजना खलीलाबाद-बहराइच की है।केंद्र सरकार के अंतरिम बजट में पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्र में चल रही लगभग सभी करोड़ रुपये और आनंदनगर-घुघली के लिए 235 करोड़ रुपये का आवंटन हुआ है। पूर्वोत्तर रेलवे के क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लिए काम चल रहा है। इसके अलावा तीन नई लाइनें भी बननी हैं, जिसकी घोषणा हो चुकी है। इनमें सबसे बड़ी परियोजना खलीलाबाद-बहराइच की है।पांच साल पुरानी इस परियोजना के लिए अभी जमीन दक्षिणी हिस्से के विकास के साथ-साथ धुरियापार में विकसित हो रहे औद्योगिक एरिया के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। इस प्रस्तावित रेल लाइन के किनारे ही अदाणी समूह की तरफ से सीमेंट फैक्टरी लगाने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन के लिए भी बजट में 110 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं।इसके अलावा पिछले साल ही घोषित आनंदनगर-घुघली रेल मार्ग के लिए

परियोजनाओं के लिए धन का आवंटन किया गया है। एनईआर को कुल 5813.20 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं, जिसमें से 110 करोड़ रुपये सहजनवां-दोहरीघाट रेल मार्ग के लिए आवंटित हुए हैं।इसके अलावा खलीलाबाद-बहराइच के लिए 620 अधिग्रहण का कार्य चल रहा है। इस नई लाइन पर करीब पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होने हैं। अतरिम बजट में 620 करोड़ रुपये मिलने से जमीन अधिग्रहण व निर्माण कार्य शुरू करने में सहूलियत होगी।इसी प्रकार सहजनवां-दोहरीघाट रेल मार्ग जिले के भी 235 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस रेल लाइन के निर्माण से बिहार की तरफ से आने वाले ट्रेनों को महराजगंज के रास्ते गोंडा भेजने पर 42 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। यह रूट माल ढुलाई के लिहाज से भी महत्वपूर्ण होगा।

वजूखाने में गंदगी और बयानबाजी मामले में नहीं हुई सुनवाई, 17 फरवरी को पड़ी अगली तारीख

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी ।वकीलों के हड़ताल के चलते वजूखाने में गंदगी और अखिलेश-औवैसी की बयानबाजी मामले में सुनवाई नहीं हुई। अदालत ने अब इस मामले में सुनवाई की तारीख 17 जैसी आकृति मिली थी। इस पर सपा प्रमुख और एआईएमआईएम नेता ने टिप्पणी की थी। इससे हिंदुओं की आस्था को चोट पहुंची थी। इस मामले में अवर न्यायालय द्वारा अखिलेश और ओवैसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

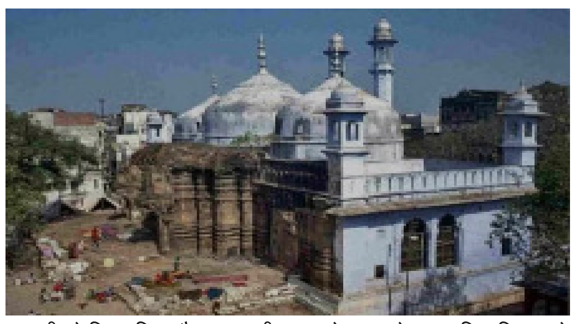

फरवरी को नियत किया है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने से संबंधित मामले की सुनवाई शनिवार को नहीं हो सकी। वकीलों के हड़ताल के चलते सुनवाई टल गई है। अब इस मामले की सुनवाई 17 फरवरी को होगी। यह मामला अपर सत्र न्यायाधीश नवम की अदालत में विचाराधीन है। आरोप है कि ज्ञानवापी परिसर में सर्वे के दौरान शिवलिंग करने का आवेदन खारिज किए जाने पर वादी हरिशंकर पांडेय ने निगरानी याचिका दाखिल की है। वादी का कहना है सर्वे के दौरान मिले हिंदुओं के आराध्य कथित शिवलिंग को लेकर सपा प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अपमानजनक टिप्पणी की थी। आरोप है कि ज्ञानवापी स्थित वजू स्थल पर नमाजियों द्वारा गंदगी की जा रही है। इस मामले में दाखिल निगरानी में अखिलेश और ओवैसी की तरफ से अधिवक्ता कोर्ट में हाजिर हो चुके हैं।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठकः प्रथम तल का 85 फीसदी काम पूरा, दूसरे तल का काम मार्च में शुरू होगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
अयोध्या ।अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद पहली बार राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक हुई। बैठक में मंदिर निर्माण को गति देने पर चर्चा की गई।अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद पहली बार राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक शनिवार को हुई। राम मंदिर परिसर में हुई बैठक में मंदिर निर्माण को लेकर गति देने पर चर्चा ने सबसे पहले तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र के निर्माण की प्रगति देखी। इंजीनियरों ने बताया कि तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के प्रथम तल का काम अभी होना है। इसमें लिफ्ट भी लगाई जाएंगी। प्रथम तल में करीब छह हजार लॉकर भी लगाए जाएंगे। राममंदिर के प्रथम तल का शेष 15 फीसदी काम मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद दूसरे तल का निर्माण शुरू होगा। दूसरे तल का काम दिसंबर तक पूरा किए

की गई।राम मंदिर का अभी 70 फीसदी कम पूरा हुआ है। प्रथम तल का 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है। जबकि दूसरे तल का काम मार्च से शुरू होगा।प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते मंदिर निर्माण का काम रोका गया था। अब जल्द ही मंदिर निर्माण का काम फिर से शुरू करने की तैयारी हो रही है। इसी को लेकर राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों व ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं।इसके पहले शुक्रवार को निर्माण समिति के अध्यक्ष ने रामजन्मभूमि परिसर का निरीक्षण किया। नृपेंद्र मिश्र जाने का लक्ष्य है।प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते 15 जनवरी से मंदिर निर्माण के कार्यों को रोक दिया गया था। अब पुनः कार्यों को गति देने की तैयारी हो रही है। छुट्टी पर गए मजदूरों की वापसी भी शुरू हो गई है। मशीनों व क्रेन को फिर से इंस्टाल किया जाने लगा है। दस फरवरी से फिर से मंदिर निर्माण के कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। अब चूंकि राममंदिर में रोजाना हजारों भक्त दर्शन को पहुंच रहे हैं इसलिए जहां यात्री नहीं पहुंचते हैं वहां दिन में काम होगा और जहां तक दर्शनार्थी पहुंच रहे हैं वहां के निर्माण कार्य रात में किए जाएंगे।

धर्मस्थलों के बाहर तैनात रही पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
अमेठी । वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मामले को लेकर शुक्रवार को जिले के धर्मस्थालों के बाहर पुलिसबल तैनात रहा। वहीं, मिश्रित इलाकों में पुलिस ने पैदल गश्त किया। इस दौरान डीएम और एसपी ने जिले का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेने के साथ ड्रोन कैमरे व अन्य माध्यमों से सतर्कता बरतने में जुटे रहे।दो दिन पहले कोर्ट ने वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में पूजा की अनुमति दिए जाने को लेकर शुक्रवार को शासन के निर्देश पर पुलिस अलर्ट मोड में आ गई। शुक्रवार को एसपी डॉ इलामारन जी के निर्देश पर सभी थानों की पुलिस अपने-अपने इलाकों में पैदल गश्त करने के साथ संवेदनशील इलाकों में भी पुलिस और पीएसी को तैनात कर दिया।विशेष धर्मस्थलों के बाहर बड़ी

संख्या में पुलिस कर्मियों को बाहर तैनात किया था। डीएम निशा अनंत व एसपी जायस कस्बे पहुंचे औरवहां पर पैदल गश्त करने के बाद लोगों से बात-चीत की। आपसी सौहार्द बनाए रखने एवं अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई। अफसरों ने थाना प्रभारियों के साथ पुलिस कर्मियों को सांप्रदायिक विवाद, उपद्रवी तत्वों के जमावड़े तथा धार्मिक नारेबाजी आदि की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्परतापूर्वक प्रभावी कार्रवाई करने के लिए ब्रीफ किया।सभी थानों को एलर्ट कियाएसपी डॉ इलामारन जी ने कहा कि ज्ञानवापी मामला सामने आने के बाद पूरे प्रदेश में संवेदनशीलता बनी हुई है। सभी थानों को एलर्ट किया गया है। थाना प्रभारी संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर रहे हैं।

सड़क हादसों में किसान सहित दो की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
गाजीपुर। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बृहस्पतिवार की देर शाम वाहन के धक्के से किसान और शुक्रवार को ट्रैक्टर से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।लठ्ठूडीहः करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर गांव निवासी रामप्रसाद सिंह यादव (55) बृहस्पतिवार की देर शाम सड़क पारकर खेत में जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए परिजन मुहम्मदाबाद ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर वाहन को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गयालठ्ठूडीहः करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर गांव निवासी रामप्रसाद सिंह यादव (55) बृहस्पतिवार की देर शाम सड़क पारकर खेत में जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए परिजन मुहम्मदाबाद ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर वाहन को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।लठ्ठूडीहः करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर गांव निवासी रामप्रसाद सिंह यादव (55) बृहस्पतिवार की देर शाम सड़क पारकर खेत में जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए परिजन मुहम्मदाबाद ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर वाहन को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।खानपुरः जौनपुर जनपद के चंदवक थाना क्षेत्र के रसड़ा जमुनीबारी निवासी तेली राजभर उर्फ सुनील (30) गांव के ही एक बुजुर्ग महिला के अंतिम संस्कार में ट्रैक्टर से सैदपुर कोतवाली के जौहरगंज श्मशान घाट पर आए थे। अंतिम संस्कार कर लौटते समय औड़िहार जौनपुर मार्ग पर घोघवां के पास अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्राली के बीच में गिर गए। गिरने के बाद ट्राली की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। साथ आए लोग उन्हें ट्रैक्टर- ट्राली से चंदवक रसड़ा जमुनीबारी घर ले गए। थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि पुलिस ने ट्रैक्टर और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। चालक की तलाश की जा रही है।

अराजकतत्वों ने देवस्थानों को तोड़कर किया क्षतिग्रस्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
गाजीपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के महुवारी नकटू, टोड़ार और बड़ौरा कताई मिल परिसर में कुल सात जगहों पर देवस्थानों में बृहस्पतिवार की रात में अराजकतत्वों ने तोड़कर क्षतिग्रस्त में देवस्थानों को तोड़कर क्षतिग्रस्त किया गया है।टोड़ार गांव में बठना बाबा, ब्रह्म स्थान के साथ गांव के डीह बाबा की हाथी को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। यहीं नहीं डीह बाबा के मंदिर में लगे पीतल

कर दिया। शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों को जानकारी होते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।महुवारी नकटू गांव में जोगी वीर बाबा, ब्रम्ह बाबा के साथ अंजन बाबा का स्थान तोड़कर अराजकतत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं इन स्थानों पर लगे दरवाजे, स्टील की ग्रिल भी तोड़कर क्षतिग्रस्त करते हुए बाहर खेतों में फेंका मिला है। इस घटना को लेकर अभी लोग आपस में बातचीत कर ही रहे थे कि टोड़ार गांव में भी इसी तरह की घटना का घंटा गायब है। इसी तरह से पूर्वांचल सहकारी कताई मिल बड़ौरा के परिसर में काफी प्रसिद्ध पांचू बाबा के स्थान का चबूतरा को तोड़कर उनकी पिंडी भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इस घटना को लेकर तीनों गांव में काफी आक्रोश है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र पांडेय ने बताया कि सभी क्षतिग्रस्त स्थान का मरम्मत देर शाम तक करा दिया गया है। अराजकतत्वों की तलाश की जा रही है।

माफिया मुख्तार अंसारी के गुर्गों की तीन करोड़ की जमीन कुर्क, डीएम के आदेश पर हुई कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
आजमगढ़ ।यूपी सरकार का अपराधियों के खिलाफ एक्शन जारी है। इसी क्रम में डीएम के आदेश पर आजमगढ़ पुलिस ने मुख्तार अंसार के दो गुर्गों की लखनऊ स्थित बेशकीमत जमीन को कुर्क किया है। प्रदेश स्तर पर चिह्नित आईएस-191 मुख्तार अंसारी के दो सहयोगियों बरदह थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर फेटी गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर शाहजमा उर्फ नैय्यर और उसके भाई अशरफ जमा ने अपराध की कमाई से लखनऊ में एक हेक्टेयर जमीन खरीदी थी। इसकी जानकारी होने पर पुलिस ने जिलाधिकारी को कुर्की के लिए संस्तुति

गैंग के सरगना मुख्तार अंसारी के दो सहयोगियों की लखनऊ स्थित बेशकीमत जमीन को पुलिस ने कुर्क कर लिया। जिलाधिकारी के आदेश पर जिले की पुलिस ने लखनऊ पहुंचकर यह कार्रवाई की। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि माफिया की थी। उक्त जमीन की सरकारी कीमत 1.24 करोड़ है जबकि बाजार की कीमत तीन करोड़ है। जिलाधिकारी के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस टीम ने लखनऊ पहुंचकर जमीन की कुर्की की कार्रवाई की।

04.02.2024 to 10.02.2024.pmd 3 2/9/2024, 5:08 PM

सम्पादकीय

तनाव और सद्भाव की पहेली, बदलनी होगी आक्रांताओं को नायक मानने की मानसिकता

जब तक आक्रांताओं को अपना नायक मानने की मानसिकता हावी रहेगी, देश में सद्भाव और समरसता का रास्ता बाधित होता रहेगा।हाल ही में एक अदालत द्वारा ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने में हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिलने से हिंदू-मुस्लिम संबंधों में तनाव की चर्चा है। 31 जनवरी को वाराणसी जिला न्यायालय के निर्णय के बाद हिंदुओं को 30 वर्ष पश्चात पुनः नियमित पूजा का अधिकार मिला है। तब से वहां पूजा-अर्चना जारी है। भारतीय पुरातत्व विभाग की ज्ञानवापी पर सर्वेक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद यह न्यायिक आदेश मिला है।सदियों से इस परिसर के पश्चिमी दीवार पर खुली आंखों से (हिंदू वास्तुशिल्प-रूपांकन) दिख रहा है कि यह हिंदू मंदिर था। इससे पहले अयोध्या में रामजन्मभूमि को लेकर स्वतंत्रता के बाद भी सात दशकों से अधिक समय तक विवाद रहा था, जिसकी देश को मानवीय जीवन और अथाह संपत्ति के रूप में कीमत चुकानी पड़ी थी। मथुरा-काशी के साथ गौकशी आदि को लेकर भी यदा-कदा सांप्रदायिक तनाव के समाचार आते रहते हैं। क्या इस पृष्ठभूमि में देश में समरसता और सद्भाव कभी नहीं हो सकता एक फरवरी, 2024 को प्रकाशित खबर के अनुसार, ज्ञानवापी में आदि विश्वेश्वर की पूजा का विवाद तक सीमित करने या फिर इसे राजनीतिक महत्वाकांक्षा के रूप में प्रस्तुत करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से भारतीय संविधान में 100 से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। जहां 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान द्वारा प्रतिबद्ध 'राजभत्ता' (प्रिवीपर्स) को समाप्त किया, तो 1986 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय को संसद में प्रचंड बहुमत के बल पर पलटा जा चुका है। इस लिहाज से 1991 के उपरोक्त अधिनियम का हवाला देकर चर्चाएं रोकना शायद ही संभव है।दरअसल यह संघर्ष परिसर में किसी जमीन के टुकड़े भर के लिए नहीं है। इसकी पृष्ठभूमि जटिल है। यह राजनीतिक नहीं, अपितु विश्वास पर आधारित मामला है। पूरा वैचारिक उपक्रम आत्म-सम्मान, पहचान और सदियों से चले रहे सभ्यतागत संघर्ष से जुड़ा है, जो अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम द्वारा वर्ष 712 में सिंध पर आक्रमण के बाद शुरू हुआ था। तब यहां स्थानीय बहुलतावादी संस्कृति को नष्ट करने का मजहबी उपक्रम चला, साथ ही इस भूखंड की अस्मिता और सामाजिक जीवन के मानबिंदुओं को भी रौंद डाला गया। हजारों पूजास्थल धूल-धूसरित हो गए, तो असंख्य निरपराध हिंदू-बौद्ध-जैन या तो

इतिहास 473 वर्ष पुराना है। व्यास परिवार ने वर्ष 1551 में आदि विश्वेश्वर की पूजा प्रारंभ की थी, जो दिसंबर 1993 तक व्यासजी के तहखाने में जारी रही। परंतु तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार में बिना किसी लिखित आदेश के पूजा को बंद करा दिया गया। यह स्थिति तब थी, जब मंदिर के पुनर्निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने हेतु 15 अक्तूबर, 1991 को सिविल न्यायाधीश की अदालत में मुकदमा दाखिल किया था। इसमें दावा था कि विवादित स्थल प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग भगवान विश्वेश्वर के मंदिर का अंश है, इसलिए उस स्थान पर हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार है।यदि इस मामले में अदालती इतिहास की बात करें, तो ब्रितानी राज में भी 1843, 1852, 1886, 1906, 1935 और 1936 में मुकदमे दाखिल हुए थे। जो समूह ज्ञानवापी में हिंदू पक्ष का विरोध कर रहे हैं, वे इस मामले को 'पूजास्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम-1991' के चश्मे से देखने या दो पक्षों के बीच संपत्ति तलवार के भय से मतांतरित हो गए या फिर मजहबी उत्पीड़न के बाद उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया।इस्लामी आक्रांता हिंदू मंदिरों को क्यों ध्वस्त करते थे? क्या केवल लूट के लिए या उन्माद के कारण? वास्तव में, लूट से बड़ी वजह उनकी मजहबी कट्टरता थी। इस मानसिकता का विवरण वर्ष 1908 में जी. रुस-केपेल और काजी अब्दुल गनी खान द्वारा अनुवादित तारीख-ए-सुल्तान महमूद-ए-गजनवी पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार, जब महमूद गजनवी (971-1030) को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर ध्वस्त नहीं करने के बदले अकूत धन देने की पेशकश की, तब उसने कहा था- 'हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूर्तियों को पूरी तरह से हटाना है काशी का प्राचीन मंदिर भी वर्ष 1194 से 1669 के बीच कई बार इस्लामी आक्रमण का शिकार हुआ ।

पाकिस्तान में मुश्किलों का दौर, चुनाव की दहलीज पर सियासी घटनाओं का जमघट

पाकिस्तान में पिछले एक पखवाड़े की घटनाओं ने दुनिया को हैरान कर दिया है। अब जबकि आम चुनाव में एक हफ्ते भी नहीं बचे हैं, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीटीआई संस्थापक इमरान खान को तीसरी पतनी बुशरा बीबी समेत 14 वर्षों की जेल की सजा सुनाई गई है।पिछले एक पखवाड़े में पाकिस्तान में इतना कुछ घटा है कि ज्यादातर खबरों ने दुनिया भर को हैरान कर दिया है। सबसे पहले क्रिकेटर शोएब मलिक के तलाक और निकाह की खबरें आईं और दुनिया भर के लोगों का ध्यान उसकी गरिमामय पतनी सानिया मिर्जा की तरफ गया। जिस पाकिस्तानी ने भी इस घटना पर टिप्पणी की, सबने सानिया मिर्जा का पक्ष लिया और सबने उसकी और शादी में उसकी निष्ठा की प्रशंसा की। लोगों ने इस बात की भी काफी सराहना की कि वह अब एकल अभिभावक के रूप में अपने दम पर बेटे की परवरिश कर रही है। किसी को भी शोएब मलिक के प्रति सहानुभूति नहीं है, जिसने अब तीसरा निकाह किया है।फिर पाकिस्तान के लोग तब सदमे और आश्चर्य में पड़ गए, जब एक मित्र पड़ोसी देश ईरान ने बलूचिस्तान प्रांत के पंजगुर में उसके इलाके में ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिसमें बच्चों सहित कुछ बेगुनाह लोग मारे गए। ईरान का कहना है कि उस इलाके में ईरान विरोधी सुनने आतंकी समूह के शिविर हैं। इस हमले की कुछ पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए राजनीतिक विश्लेषक आयशा सिद्दिकी ईरान और पाकिस्तान के बीच मतभेदों का इशारा करती हैं, 'अफगानिस्तान के भविष्य और नियंत्रण से लेकर ग्वादर बनाम चाबहार बंदरगाहों तक ईरान और पाकिस्तान एक-दूसरे पर भारी संदेह करते हैं।' इसके अलावा, वह एक और पहलू की ओर इशारा करती हैं, वह है तेहरान का भारत के साथ घनिष्ठ संबंध, जिसके चलते पाकिस्तान पर हमले से ठीक एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की तेहरान यात्रा को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वर्ष 1979 से तेहरान अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंधों के कारण पाकिस्तान पर संदेह करता रहा है। अब उसे इस बात की चिंता है कि ईरान को घेरने और निशाना बनाने के अमेरिकी प्रयास में इस्लामाबाद को शामिल किया जा सकता है।पाकिस्तान ने अपने विदेश मंत्रालय से कई संदेश भेजे और तेहरान को समय देते हुए हमले के लिए औपचारिक माफी का इंतजार किया। जब सरकार ने देखा कि तेहरान माफी मांगने के लिए तैयार नहीं है, और इस बात पर जोर दे रहा है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है, बल्कि कुछ ईरान विरोधी चरमपंथियों के खिलाफ है, तो पाकिस्तानी वायु सेना ने उसका बदला लिया। हालांकि दोनों मुल्कों ने तब इतिहास रचा, जब वे युद्ध के कगार से पीछे हटे। पिछले हफ्ते ईरान ने अपने विदेश मंत्री को इस्लामाबाद भेजा, जहां दोनों पक्षों ने एक तंत्र स्थापित करने पर सहमति जताई, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। विश्लेषक उस समय को भी याद करते हैं, जब 2019 में प्रधानमंत्री के रूप में इमरान खान ईरान गए थे और अपने साथ आईएसआई के तत्कालीन महानिदेशक जनरल असीम मुनीर को ले गए थे, जो अभी पाकिस्तानी सेना के प्रमुख हैं। उस समय आतंकवाद पर स्पष्ट बातचीत से नीतिगत सफलता मिली थी। दोनों देशों के नेता आतंकवाद की गंभीर समस्या से निपटने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए थे।मानो पाकिस्तान की ये घटनाएं ही दुनिया को हैरान करने के लिए काफी नहीं हों, मुल्क में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता शाह महमूद कुरैशी को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 2023 के तहत स्थापित ट्रायल कोर्ट द्वारा साइफर मामले में दस साल की सजा सुनाई। साइफर मामला दो चीजों से संबंधित है। पहला, प्रधानमंत्री के रूप में इमरान खान को विदेश मंत्रालय से गोपनीय साइफर की एक प्रति दी गई थी, जो वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत के टेलीग्राम से संबंधित थी, जिन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ अपनी बैठक के बारे में कहा था कि बाइडन प्रशासन इमरान खान द्वारा दिए गए अमेरिका विरोधी बयानों से खफा है। इमरान खान ने राजनीतिक कारणों से साइफर का अवैध इस्तेमाल करते हुए कहा कि अमेरिकियों ने उनकी सरकार को हटाने की साजिश रची थी।दूसरा मामला, जो इमरान खान के खिलाफ गया, वह यह था कि उन्होंने अदालत को बताया कि उन्हें नहीं मालूम कि साइफर की लापता प्रति कहां है। यह चौंकाने वाली बात है, क्योंकि प्रधानमंत्री इसे पढ़ने के बाद विदेश मंत्रालय को लौटाने के प्रति बाध्य हैं। इतना संवेदनशील दस्तावेज यों ही गायब नहीं हो सकता। इमरान खान को दूसरी सजा उनके बढ़ते कानूनी और राजनीतिक संकटों के बीच सुनाई गई है, क्योंकि क्रिकेटर से नेता बने इमरान को पहले भ्रष्टाचार के एक मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई थी, जिसने उन्हें जेल की सजा के निलंबन के बावजूद आगामी आठ फरवरी के चुनावों से बाहर कर दिया। साइफर मामले में सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद ही जवाबदेही अदालत ने न केवल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, बल्कि उनकी तीसरी पतनी बुशरा बीबी को भी एक अन्य मामले में 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। यह तोशाखाना मामला था, जो विदेशों में मिले आभूषण एवं अन्य महंगे उपहार तोशाखाना में जमा करने के बदले अपने पास रखने से संबंधित था।मुझे याद नहीं आता कि पाकिस्तान के इतिहास में किसी पूर्व प्रधानमंत्री एवं उनकी पतनी को एक साथ 14 वर्षों के लिए रावलपिंडी के एक ही जेल में एक साथ रखा गया। न ही इससे पहले कभी किसी राजनीतिक दंपती के साथ इस तरह का व्यवहार किया गया। पिता व बेटी को एक ही समय जेल में डालने का एक उदाहरण पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज शरीफ का है, पर उन दोनों को अलग-अलग जेलों में रखा गया था। जिस तरह इमरान खान को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया गया है, उसी तरह जब नवाज शरीफ को चुनाव से पहले अयोग्य ठहराकर जेल भेजा गया था, तो इमरान खान और उनकी पार्टी ने खुशी से मिठाई बांटी थी। हालांकि नवाज शरीफ ने इमरान की सजा को गंभीरता से लिया है, पर खुशी जाहिर करने से परहेज किया है।पाकिस्तान में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके मन में इमरान खान के लिए कोई सहानुभूति नहीं है और वे कहते हैं कि वह दंडित किए जाने योग्य हैं। उनका कहना है

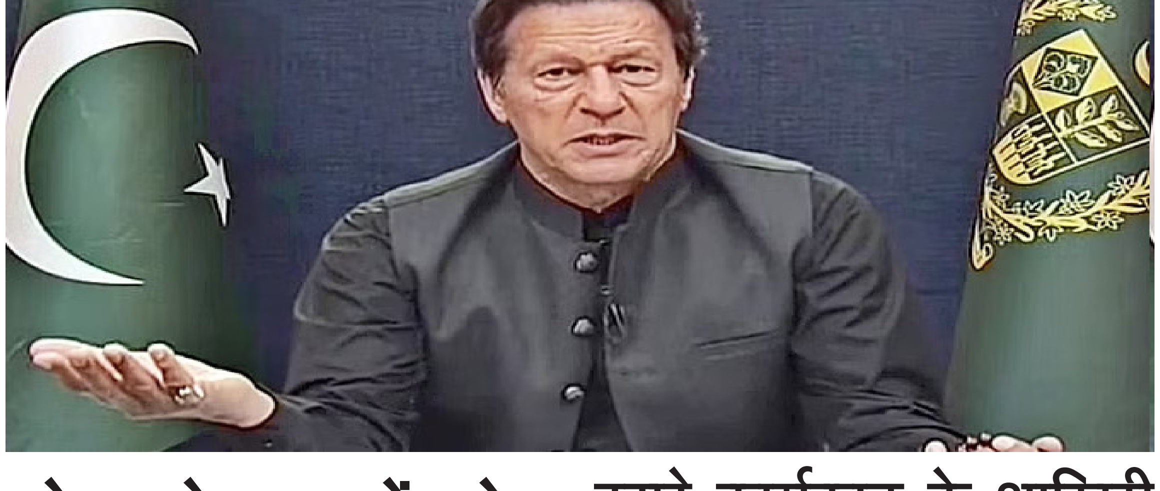

सुप्रीम कोर्ट का स्थापना के 75वे साल में प्रवेश ऐतिहासिक फैसलों से लोकतंत्र हुआ मजबूत

अपने सात दशकों के जीवनकाल में भारत का सर्वोच्च न्यायालय संविधान द्वारा गारंटीशुदा मौलिक अधिकारों की सुरक्षा में सहायक रहा है। ऐतिहासिक निणर्यों ने इन अधिकारों के दायरे को स्पष्ट और विस्तारित किया है, जिससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा में योगदान मिला है।गणतांत्रिक भारत के सबसे बड़े न्याय का मंदिर "सर्वोच्च न्यायालय" अपने 75 वें वर्ष में प्रवेश कर गया। इन सात से अधिक दशकों में सर्वोच्च न्यायालय के तहत हमारी न्यायपालिका ने भारतीय लोकतंत्र को आकार देने और इसे बनाए रखने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को कायम रखने, व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करने, सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इसके निणर्यों का भारतीय लोकतंत्र के विकास पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। संविधान के संरक्षक के तौर पर देशवासियों की अटूट आस्था अर्जित कर अदालत के साथ ही न्याय के मंदिर के रूप में भी स्वयं को स्थापित किया है।चूंकि अभी-अभी हमने गणतंत्र दिवस पर अपने देश की सात दशकों की लम्बी यात्रा को याद किया इसलिए सर्वोच्च न्यायलय की हीरक जयन्ती पर इसकी जीवन यात्रा का स्मरण करना भी जरूरी है। भारत के एक प्रभुतासंपनन लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के दो दिन बाद 28 जनवरी, 1950 को सर्वोच्च न्यायालय अस्तित्व में आया। इसका उद्घाटन संसद भवन के नरेंद्र मंडल में हुआ था, जिसमें भारत की संसद भी थी।इस अवसर पर राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संघीय न्यायालय के न्यायाधीश मुख्य न्यायमूर्ति हरिलाल जेकिसुनदास और न्यायमूर्ति सैय्यद फजल अली, एम. पतंजलि शास्त्री, मेहर चंद महाजन, बिजन कुमार मुखर्जी और एस. आर. दास को पद की शपथ दिलाई थी। हरिलाल कानिया ने मुख्य न्यायाधीश के तौर पर 1950 से 1951 तक सेवा की।न्यायमूर्ति अनन चांडी 1959 में भारत में उच्च न्यायालय (केरल उच्च न्यायालय) के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला थीं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति फातिमा बीवी थीं। संसद भवन के नरेंद्र मंडल में, भारत का संघीय न्यायालय 1937 और 1950 के बीच 12 वर्षों तक चला। संघीय न्यायालय का गणतांत्रिक भारत का सर्वोच्च न्यायालय बनाया गया था।अपने वर्तमान भवन में 1958 में स्थानांतरित होने तक सर्वोच्च न्यायालय ने अपने उद्घाटन के बाद संसद भवन के एक हिस्से में अपनी बैठकें शुरू कीं। भवन का आकार न्याय के तराजू की छवि के रूप में बनाया गया है। भवन की केंद्रीय विंग तराजू की मुख्य बीम है। 1979 में, परिसर में दो नई विंग 'पूर्वी विंग और पश्चिमी विंग' जोड़ी गईं। भवन की विभिनन विंगों में कुल मिलाकर 19 न्यायालय कक्ष हैं। मुख्य न्यायमूर्ति का न्यायालय केंद्रीय विंग के केंद्र में स्थित न्यायालयों में से सबसे बड़ा है।1950 के मूल संविधान में सर्वोच्च न्यायालय की परिकल्पना एक मुख्य न्यायमूर्ति और 7 अवर न्यायाधीशों के साथ की गई थी जबकि इस संख्या को बढ़ाने का कार्य संसद पर छोड़ दिया गया था। प्रारंभिक वर्षों में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश एक साथ बैठकर अपने समक्ष प्रस्तुत मामलों की सुनवाई करते थे। जैसे-जैसे न्यायालय के कार्यभार बढ़ता गया और बकाया मामले बढ़ने लगे।संसद ने न्यायाधीशों की संख्या 1950 में 8 तक बढ़ाकर, 1956 में 11, 1960 में 14, 1978 में 18, 1986 में 26, 2009 में 31 और 2019 में 34 (वर्तमान संख्या) कर दी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायमूर्ति और भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त 33 अन्य न्यायाधीश शामिल होते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु के होने पर सेवानिवृत्त होते हैं।अपने सात दशकों के जीवनकाल में भारत का सर्वोच्च न्यायालय संविधान द्वारा गारंटीशुदा मौलिक अधिकारों की सुरक्षा में सहायक रहा है। ऐतिहासिक निणर्यों ने इन अधिकारों के दायरे को स्पष्ट और विस्तारित किया है, जिससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा में योगदान मिला है।न्यायालय ने सार्वजनिक हित और महत्व के मुद्दों को संबोधित करने में न्यायिक सक्रियता प्रदर्शित की है। जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के माध्यम से, अदालत ने बड़े पैमाने पर जनता को प्रभावित करने वाले मामलों का संज्ञान लिया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण, उपभोक्ता अधिकार और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में हस्तक्षेप हुआ है। 1975 में घोषित आपातकाल के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत अधिकारों को बरकरार रखने, कार्यकारी कार्यों पर संविधान की सर्वोच्चता पर जोर देने और आपात स्थिति के दौरान भी सरकारी शक्ति की सीमित प्रकृति पर जोर देने वाले फैसले दिए।चुनावी मुद्दों को संबोधित करने और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में सक्रिय रहा है। इसने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के उपयोग, राजनीतिक उम्मीदवारों द्वारा आपराधिक रिकॉर्ड का खुलासा और चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर निणर्य दिए हैं।सर्वोच्च न्यायालय पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित करने में सक्रिय रहा है। उदाहरण के लिए, इसने ताज-महल को प्रदूषण से बचाने के उपायों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वायु और जल प्रदूषण से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाए। न्यायालय ने सामाजिक मुद्दों को संबोधित किया है और ऐसे निणर्य दिए हैं जिन्होंने सामाजिक सुधारों में योगदान दिया है।न्यायालय ने समानता के सिद्धांतों के साथ सकारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता को संतुलित करते हुए, आरक्षण नीतियों से संबंधित मुद्दों से निपटा है। इसने शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की सीमा पर दिशानिर्देश और सीमाएं निर्धारित की हैं। सन् 2019 में अयोध्या भूमि विवाद के समाधान ने अत्यधिक संवेदनशील और लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को संबोधित करने की अदालत की क्षमता को प्रदर्शित किया, जिससे एक ऐसे मामले का कानूनी समाधान मिला, जिसका सांप्रदायिक सद्भाव पर महत्वपूर्ण प्रभाव था।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी स्थापना के बाद से देश के कानूनी और न्यायिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ए.के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य (1950) का मामला व्यक्तियों की निवारक हिरासत से संबंधित था और इसमें संविधान के सुरक्षात्मक प्रावधानों के संबंध में "संकीर्ण नियम" का सिद्धांत निर्धारित किया गया था।केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973) जैसे ऐतिहासिक मामलों ने संवैधानिक संशोधनों की शक्ति को सीमित करते हुए बुनियादी संरचना के सिद्धांत को स्थापित किया। पीआईएल की अवधारणा एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ (1982) के मामले में पेश की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन बनाम भारत संघ सहित विभिनन मामलों में भोपाल गैस त्रासदी के कानूनी परिणामों से निपटा। मुआवजे के मुद्दों को निपटाने में अदालत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाहबानो मामला मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकार से जुड़ा था और समान नागरिक संहिता पर बहस छिड़ गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बाद में सरकार ने कानून बनाकर पलट दिया था। अयोध्या भूमि विवाद मामला भारतीय इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले मामलों में से एक था।सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर, 2019 को अपना फैसला सुनाया, जिसमें विवादित स्थल को हिंदू मंदिर के निर्माण के लिए आवंटित किया गया और मुस्लिम समुदाय को मस्जिद के लिए जमीन का वैकल्पिक हिस्सा प्रदान किया गया।

दूसरे कार्यकाल के आखिरी अंतरिम बजट में चुनावों से डरे नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पिछले कुछ वर्षों में कुछ राज्यों और पिछली केंद्र सरकारों के बजट लोकलुभावन वादों से भरे होते थे, लेकिन केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने पहले बजट से लेकर और अपने इस बजट तक मोदी सरकार के विजन को कायम रखा है।जैसा कि सोचा जा रहा था कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नरेंद्र मोदी सरकार का अंतिम अंतरिम बजट लोकलुभावन होगा, वैसा कुछ नहीं हुआ। न किसानों की सम्मान निधि बढ़ाई गई, न ही मध्यम वर्ग को खुश करने के लिए इनकम टैक्स सिलेब में कोई बदलाव हुआ। पेट्रोल-डीजल को गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) के दायरे में लाकर कीमतें कम करने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने इस पर एक शब्द नहीं कहा।सरल भाषा में बजट का मतलब होता है कि हमारे पास जो पैसा आ रहा है, उसको हम कैसे और किस दिशा में खर्च करेंगे? यही असली बजट होता है और यही होना चाहिए। पिछले कुछ सालों में कुछ राज्यों और पिछली केंद्र सरकारों के बजट लोकलुभावन वादों से भरे होते थे, लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने पहले बजट से लेकर और अपने इस बजट तक मोदी सरकार के विजन को कायम रखा है।बजट से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस दिशा में देश को ले जाना चाहते हैं, जिस दिशा में देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े, वो डिगेंगे नहीं।अंतरिम बजट में वित्तमंत्री ने कुछ विपक्षी सरकारों की मुफ्त बिजली देने की योजनाओं को भी पंक्चर करने की कोशिश। छत पर सोलर पैनल लगाने से एक करोड़ परिवार प्रति माह 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली प्राप्त कर सकेंगे। यह योजना अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू की थी। इससे हर वर्ष एक परिवार के 15-18 हजार रुपए बचेंगे। सरकार ने बजट में रिन्यूएबल एनर्जी पर भी खूब जोर दिया है।वर्ष 2014 के बाद सरकार का टैक्स रेवेन्यू तीन गुना तक बढ़ गया है, लेकिन सरकार बढ़ी धनराशि को मुफ्त योजनाओं में लगाने के बजाय देश के विकास में खर्च करने की मंशा रखती है। यह देश के लिए अच्छी बात है। वित्तमंत्री ने स्पष्ट किया कि वो वित्त वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाना लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसी के चलते वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। सरकार का यह कदम देश हित में है, लेकिन इसके लिए सरकार को कड़े कदम उठाने होंगे।एक अच्छी बात यह भी है कि स्वदेशी कंपनियां के कॉरपोरेट टैक्स को कम किया गया है। अब उन्हें 30 प्रतिशत के बजाय 22 प्रतिशत का टैक्स देना पड़ेगा। कुछ नई विनिर्माण कंपनियों के लिए यह 15 प्रतिशत ही होगा। इससे विकास को गति मिलेगी।अंतरिम बजट में एक अच्छी बात यह है कि सरकार ने वित्त वर्ष 2009-10 से पहले

लंबित टैक्स मामले और डिमांड वापस लेने का निणर्य लिया है। करीब 25,000 करोड़ रुपए की राशि फंसी है। वित्त मंत्री ने कहा भी कि इससे एक करोड़ ईमानदार टैक्सपेयर्स को कानूनी झंझटों से निजात मिलेगी। अमृत काल के बाद अब कर्तव्य काल की बात मोदी सरकार ने की है, यानी सरकार का साफ मत है कि सभी भारतीयों को मिलकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना है। सबको अपना-अपना कर्तव्य निभाना है। अंतरिम बजट में विकास की एक दिशा दिखाई देती है। विकास की गारंटी की बात जो प्रधानमंत्री कह रहे हैं, वो झलकती है।मोदी सरकार ने विकास का एक रोडमैप पिछले कुछ सालों में बनाया है, वो उसी पर चलते जा रहे हैं। अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी, जुलाई में आकर पूर्ण बजट पेश करेंगे, इससे सरकार का आत्मविश्वास झलकता है

द ग्रेट रशियन रॉबरी, जिसने बदल दिया दुनिया के अनाज कारोबार का रिवाज

यूं तो यह दौर चरम शीत युद्ध का था, मगर अमेरिका और रूस के बीच कारोबारी रिश्तों की गर्मी देखते ही बनती थी। 1970 के दशक में रूस में गेहूं की फसल बुरी तरह चौपट हो चुकी थी। अमेरिका जानता था कि रूस को अनाज चाहिए, मगर इसी मुकाम से शुरू होती है अमेरिकी कृषि व्यापार नीति की सबसे बड़ी चूक, जिससे रूस को वह करने का मौका मिला, जिसने दुनिया में अनाज कारोबार के रिवाज ही बदल दिए।ऑस्ट्रेलिया में इस साल किसान सूखी जमीन में गेहूं बोएंगे। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक अपनी सबसे बड़ी फसल पर अल-नीनो वाले सूखे के असर के लिए तैयार हो रहा है। भारत में चुनाव के कारण मुफ्त अनाज बांटने का ऐलान किए बैठी सरकार को पता नहीं है कि इस साल किसान उसे पर्याप्त अनाज बेचेंगे या नहीं। रबी पर अल-नीनो की काली छाया पड़ चुकी है। उपज कम होने का खतरा है। भारत में गेहूं का सरकारी भंडार सात साल के न्यूनतम स्तर पर है। एक साल से ज्यादा हो गया, मगर भारत में अनाज की महंगाई कम नहीं हुई। भारत ने गेहूं और चावल का निर्यात रोक दिया, मगर खौलती कीमतें ठंडी नहीं पड़ी हैं। दुनिया के खाद्य बाजार में अफरा-तफरी मची है। बाजार को लगता है कि भारत को गेहूं का आयात शुरू करना पड़ सकता है।1803 से लेकर 1972 तक गेहूं की कीमतों में इतिहास में कहीं किसी भी बड़ी तेजी का जिक्र नहीं है। बीसवीं सदी के सातवें दशक की शुरुआत तक महंगाई में गेहूं का योगदान नगण्य था, पर 1970 के दशक में अचानक पूरी दुनिया में अफरा-तफरी मच गई।मनी हेइस्ट यानी बैंक लूट तो सुनी होगी, आइए गेहूं की एक अनोखी लूट से मिलते हैं, जो रूस ने की थी। उसके बाद गेहूं का बाजार ही बदल गया।दूसरे विश्व युद्ध को तीस साल बीत चुके थे। अमेरिका अब दुनिया में कृषि उत्पादन की बड़ी ताकत बन गया था। गरीबों को फूड स्टांप कार्यक्रमों के जरिये सस्ता अनाज दिया जा रहा है। दूसरी बड़ी लड़ाई में अपना दबदबा स्थापित करने के बाद अमेरिका उदारता और मदद के सहारे कूटनीतिक प्रभाव बना रहा था। 1954 में फूड फॉर पीस कार्यक्रम आया, जिसके तहत जरूरतमंद देशों को खाद्य सहायता दी जा रही थी।यह वही अमेरिका था, जो दूसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत तक कुपोषण और अनाज की कमी से जूझ रहा था। लिजी कॉलिंघम अपनी मूल्यवान किताब 'द टेस्ट ऑफ वार - वर्ल्ड वार टू एंड बैटल फॉर फूड' में लिखती हैं कि दूसरी बड़ी जंग के दौरान अमेरिका में सेना के लिए सेहतमंद लोग मिलना मुश्किल थे। प्रत्येक पांच में दो पुरुष फौज में भर्ती से नकार दिए जाते थे, क्योंकि वे कुपोषित थे।1930 की महामंदी के बाद हुए कृषि सुधारों ने अमेरिका की खेती को संकट से समृद्धि में बदल दिया था। किसानों को मूल्य समर्थन और सब्सिडी दी गई थी, जिसका फायदा भरपूर फसलों के तौर पर पककर सामने आने लगा था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद नई तकनीकों से खेती के उत्पादन में और तेजी आई और अनाज के कोठार भरने लगे।

साफ्टवेयर इंजीनियर के घर 20 लाख रुपये की चोरी, कोने-कोने को खंगाला और माल लेकर फरार हो गए

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोडा। शातिर चोर इंजीनियर के घर इत्मीनान से घुसे और कोने-कोने को खंगाला। इसके बाद माल लेकर फरार हो गए।गोंडा नगर कोतवाली क्षेत्र के जानकीनगर में शुक्रवार देर रात शातिर चोर 20 लाख के जेवर और नकदी समेत अन्य सामान पार कर ले गए। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने कई घंटे छानबीन की। पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश की जा रही है।पीड़ित अंकुर शुक्ला नगर कोतवाली क्षेत्र के जानकीनगर कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं। हैदराबाद की सॉफ्टवेयर कंपनी में बतौर इंजीनियर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि पिता के निधन के बाद परिवार के साथ पैतृक गांव मधनगरा गए थे। शुक्रवार रात करीब 2:00 बजे शातिर चोर बाउंड्री वॉल फांदकर घर में दाखिल हो गए। इसके बाद कमरे और अलमारी का ताला तोड़कर करीब 20 लाख रुपए के जेवर और नकदी पार कर ले गए। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।पुलिस के मुताबिक शातिर चोर रात लगभग 2:22 पर मकान में दाखिल हुए। इस दौरान इत्मीनान से घर के कोने-कोने को खंगाला और करीब 3:05 बजे सामान लेकर फरार हो गए। सुबह पड़ोसी की सूचना पर पीड़ित ने पुलिस को घटना की जानकारी दी है।पुलिस कप्तान विनीत जायसवाल ने बताया कि चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। सर्विलांस सेल और डॉग स्क्वायड की मदद ली जा रही है। टीमों ने घंटों तक जांच पड़ताल की है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

शक्ति प्रदर्शन से पहले कांग्रेस को सता रहा टूट का डर, विधायकों को हैदराबाद के रिजॉर्ट में किया कैद चप्पे-चप्पे पर पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
हैदराबाद। झारखंड में राजनीतिक हलचल के बीच कांग्रेस को अपने विधायकों की टूट का डर सताने लगा है। 5 फरवरी को होने वाले शक्ति प्रदर्शन से पहले ही कांग्रेस ने अपने विधायकों को हैदराबाद के एक रिजॉर्ट में कैद कर दिया है। कांग्रेस हैदराबाद के एक रिजॉर्ट में अपने झारखंड विधायकों की सुरक्षा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पार्टी ने विधायकों पर पहरा लगा दिया है। पार्टी में टूट और विधायकों को हॉर्स ट्रेडिंग का शिकार होने से प्रयासों से बचाने के लिए कांग्रेस ने यहां रिजॉर्ट में अपने नेताओं के लिए अलग भोजन व्यवस्था कमरों की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी और कई अन्य व्यवस्थाएं की हैं।कांग्रेस हैदराबाद के एक रिजॉर्ट में अपने झारखंड विधायकों की सुरक्षा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पार्टी ने विधायकों पर पहरा लगा दिया है। पार्टी में टूट और विधायकों को हॉर्स ट्रेडिंग का शिकार होने से प्रयासों से बचाने के लिए कांग्रेस ने यहां रिजॉर्ट में अपने नेताओं के लिए अलग भोजन व्यवस्था कमरों की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी और कई अन्य व्यवस्थाएं की हैं।दरअसल, पार्टी में टूट और विधायकों को हॉर्स ट्रेडिंग

का शिकार होने से प्रयासों से बचाने के लिए कांग्रेस ने यहां एक रिजॉर्ट में अपने नेताओं के लिए अलग भोजन व्यवस्था, कमरों की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी और कई अन्य व्यवस्थाएं की हैं।बता दें कि चार्टर्ड विमानों से 2 फरवरी को झारखंड के विधायकों को शमीरपेट में लियोनिया होलिस्टिक डेस्टिनेशन ले जाया गया था और सभी 40 विधायकों को एआईसीसी सचिव और प्रभारी की निगरानी में 'ओह बिज ब्लॉक' में रखा गया। रिजॉर्ट में जिस मंजिल पर विधायक रहते हैं, उसमें प्रवेश केवल एक लिफ्ट तक ही सीमित है, जिसका उपयोग विधायकों के अलावा केवल अधिकृत व्यक्ति ही कर सकते हैं। जहां विधायक रहते हैं वहां कोई अन्य लिफ्ट या अन्य रास्ते से नहीं पहुंच सकता। लिफ्ट की एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर पुलिस अधिकारी चौबीसों घंटे निगरानी रख रहे हैं।जिन कमरों में विधायक रहते हैं, उनकी सुरक्षा पुलिस कर्मियों द्वारा की जा रही है और कोई दूसरा अनजान व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकता है।साथ ही, विधायकों के लिए पहली मंजिल पर अलग से भोजन की व्यवस्था की गई है, जो दूसरे मेहमानों के क्षेत्र से अलग है। डाइनिंग हॉल में भी पुलिस की कड़ी सुरक्षा है।सूत्रों ने कहा कि 'फोन अभी भी विधायकों के पास हैं' और रिसॉर्ट सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारियों से भरा हुआ है।तेलंगाना कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि झारखंड के विधायक 5 फरवरी को रांची के लिए रवाना होंगे, जब चंपई सोरेन सरकार विश्वास मत का सामना करेगी।

प्रेमिका के साथ रंगरेलियां मना रहा था पति पत्नी ने रंगे हाथों पकड़ा जमकर हुआ हंगामा, पढ़ें मामला

(आधुनिक समाचार सेवा)
कानपुर । कल्याणपुर थाना क्षेत्र में पति को प्रेमिका के साथ रंगरेलियां मानते पत्नी ने पकड़ लिया। इसके पति, पत्नी और प्रेमिका में जमकर विवाद हुआ, जिसकी सूचना किसी ने पुलिस को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की है।कानपुर में कल्याणपुर थाना क्षेत्र सत्यम बिहार में शुक्रवार देर शाम पति-पत्नी और 'वो'के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। यहां प्रेमिका से मिलने आए कार्यालय बंद कर सत्यम विहार निवासी प्रेमिका के घर आ गया। किसी की सूचना पर पीछे से उसकी पत्नी भी अपने रिश्तेदारों संग आ धमकी और पति को प्रेमिका के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके पर विवाद होने लगा, जिसकी सूचना किसी ने पुलिस को दे दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ की, तो प्रेमिका ने अपने को सरकारी अध्यापिका बताया। पुलिस पति को थाने लेकर आ गई। वहीं महिला के पति ने बताया

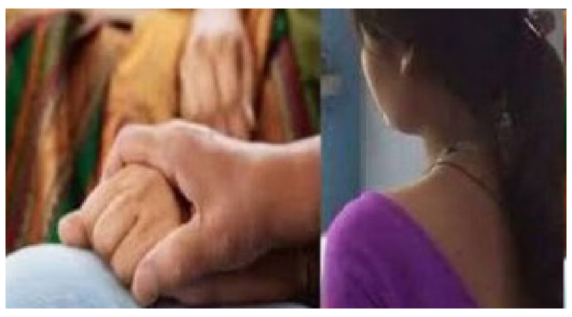

एक अधेड़ को उसकी पत्नी ने रिश्तेदारों सहित डेढ़ दर्जन लोगों के साथ आकर रंगेहाथों पकड़ लिया।रोड पर हंगामा होता देख किसी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस अधेड़ को थाने ले आई। इसके बाद में उसकी पत्नी ने प्रेमिका के खिलाफ तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार, कल्याणपुर थाना क्षेत्र के केशवपुरम निवासी 55 वर्षीय व्यक्ति पांडु नगर में सिक्योरिटी एजेंसी चलाता है।शुक्रवार रात्रि दस बजे वह अपना कि उसके अपनी प्रेमिका से पिछले 30 वर्षों से संबंध हैं। इसके बाद में पत्नी ने पुलिस को तहरीर दी और थाने में हंगामा किया।पत्नी ने प्रेमिका पर आरोप लगाया कि उसने मेरे पति के जेवर, एफडी, जरूरी कागजात तक कब्जे में ले रखे हैं। यहां तक कि व्यापार में भी साझेदार है और आए दिन पति को फोन कर बुलाती है और धमकी देती है। थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगा

फर्जी वरासत में दर्ज हुआ ग्राम सचिव पर केस

(आधुनिक समाचार सेवा)
टांडा (अंबेडकरनगर) । फर्जी ढंग से वरासत दर्ज करने का मामला सामने आने पर ग्राम सचिव पूजा चौरसिया के विरुद्ध हंसवर थाने में डीएम अविनाश सिंह के आदेश पर केस दर्ज किया गया। साथ ही लेखपाल अभिषेक यादव को निलंबित करने के साथ ही क्षेत्रीय कानूनगो के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही प्रशासन ने संबंधित वरासत को निरस्त कर दिया है।ग्राम पंचायत नसीराबाद में सामने आई। डीएम अविनाश किया गया है।डीएम ने फौरन ग्राम सचिव पूजा चौरसिया के विरुद्ध केस दर्ज कराने का निर्देश दिया। इस पर सहायक विकास अधिकारी बसखारी की तरफ से हंसवर थाने में ग्राम सचिव के खिलाफ केस दर्ज कराया गया। डीएम की सख्ती को देखते हुए एसडीएम सचिन यादव ने लेखपाल अभिषेक यादव को निलंबित कर दिया जबकि क्षेत्रीय कानूनगो दिनेश कुमार पांडेय के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करा दी।इसके साथ ही बतौर वारिस दर्ज रामविलास

सिंह ने मामले की जांच कराई तो प्रकरण में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पाया गया कि बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के दिवंगत भोभल के स्थान पर रामविलास यादव का नाम अंकित यादव का नाम खारिज कर दिया गया। मालूम हो कि हंसवर थाने में ग्राम सचिव पूजा चौरसिया को नामजद करने के साथ ही बीते पांच वर्षों में तैनात वहां अन्य पंचायत सचिवों को भी इसमें शामिल किया गया है।

सोनापुर सुरंग में हुआ भूस्खलन, पुलिस ने जारी की सावधानी से वाहन चलाने की एडवाइजरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
मेघालय। ईस्ट जैंतिया हिल्स (मेघालय)।राष्ट्रीय राजमार्ग 6 पर सोनापुर सुरंग पर आज सुबह भूस्खलन की घटना सामने आई थी। जिसके बाद अब पूर्वी जैंतिया हिल्स पुलिस ने यातायात सलाह जारी की है। पुलिस ने कहा कि मलबा हटाने का काम जारी है और यात्रियों को सावधानी से गाड़ी चलाने की सलाह दी जा रही है। मामले में विस्तृत जानकारी की

हिल्स पुलिस ने यातायात सलाह जारी की है।राष्ट्रीय राजमार्ग 6 पर सोनापुर सुरंग पर आज सुबह भूस्खलन की घटना सामने आई थी। जिसके बाद अब पूर्वी जैंतिया प्रतीक्षा है।पुलिस ने कहा कि मलबा हटाने का काम जारी है और यात्रियों को सावधानी से गाड़ी चलाने की सलाह दी जा रही है। मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा ह

मोदी जी पर दैवीय शक्ति की कृपा', मुलाकात के बाद पीएम के फैन हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता; दिया बड़ा बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम पिछले कुछ समय से अपनी पार्टी से खफा चल रहे हैं। इसी बीच, उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की है। मोदी से मुलाकात पहली बार मिला हूं। मुझे कहने में कतई संकोच नहीं है कि पीएम के ऊपर निश्चित ही किसी दैवीय शक्ति की कृपा है, उनसे मिलकर जो अनुभूति हुई है। उसके बाद में कह सकता हूं कि वो एक दैवीय शक्ति के

के बाद उनकी बीजेपी से नजदीकी के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं, पीएम से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पीएम मोदी से मुलाकात की है। आचार्य प्रमोद की पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। बीजेपी से उनकी नजदीकी के भी कयास लगाए जा रहे हैं। इस मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम की जमकर तारीफ भी की है।आचार्य प्रमोद ने कहा कि मैं मोदी जी से प्रतीक हैं।बता दें कि आचार्य प्रमोद ने गुरुवार को पीएम मोदी से मुलाकात की थी। पीएम से मुलाकात की तस्वीर को प्रमोद ने एक्स पर पोस्ट किया था। कांग्रेस नेता ने अपनी पोस्ट में कहा था कि श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह में भारत के प्रधानमंत्री जी को आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।कांग्रेस नेता की पोस्ट को पीएम ने रीपोस्ट किया था। पीएम ने अपनी पोस्ट में लिखा था कि आस्था और भक्ति से जुड़े इस पावन अवसर का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

टीएमसी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारा होगा या नहीं, राहुल गांधी ने कर दिया साफ

(आधुनिक समाचार सेवा)
बहरामपुर। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में अंतर्कलह देखने को मिल रही है। कांग्रेस पर टीएमसी समेत कई साथी पार्टियां हमलावर रुख अपना रही हैं। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान के बाद गठबंधन में फिर से सब ठीक होता दिख रहा है।2024 विपक्षी गठबंधन इंडिया में अंतर्कलह के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान ने गठबंधन में फिर से सब ठीक होने के सबूत दिए हैं। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में बताया है कि कांग्रेस पार्टी टीएमसी से गठबंधन करेगी या नहीं। उन्होंने कहा कि अभी चर्चा चल रही है।दरअसल, राहुल ने आज कहा कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट-बंटवारे की व्यवस्था पर चर्चा कर रही है और जल्द इस पर समाधान निकाल लिया जाएगा।गांधी ने गुरुवार को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल में पार्टी के 'डिजिटल मीडिया योद्धाओं' के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। यह पूछे जाने पर कि राज्य में कांग्रेस के लिए एक भी लोकसभा सीट छोड़ने की अनिच्छा के बावजूद कांग्रेस टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी को महत्व क्यों दे रही है, राहुल ने कहा कि न तो ममता जी ने ऐसा कहा है और न ही कांग्रेस ने गठबंधन छोड़ा है।इससे पहले ममता ने गुरुवार को कहा था कि वह कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था की इच्छुक थीं, लेकिन उसने चुनावों में भाजपा की सहायता के लिए सीपीआई (एम) से हाथ मिला लिया, जिससे उन्हें लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

समुद्र का गूगल मैप इंडियन नेवी में शामिल समुद्री रास्तों को बनाएगा आसान नौसेना प्रमुख ने बताई खासियत

(आधुनिक समाचार सेवा)
विशाखापट्टनम। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने विशाखापत्तनम में नौसेना डॉकयार्ड में आईएनएस संध्याक के कमीशनिंग समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नौसेना आरोही भारत की सेवा में एक संतुलित 'आत्मनिर्भर बल' को सावधानीपूर्वक तैयार करने के लिए समर्पित है।नौसेना प्रमुख ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि समुद्र में मानचित्र या चार्ट कितना महत्वपूर्ण है। उददुत मानचित्र या सिरी जैसा कोई मोबाइल एप्लिकेशन नहीं है जो हमें हमारे गंतव्य तक ले जाएगा। इसलिए हमें संधायक जैसे सर्वेक्षण जहाजों द्वारा बनाए गए चार्ट और मानचित्रों की आवश्यकता है। कुमार ने कहा कि हम आरोहित भारत की सेवा में सावधानीपूर्वक एक संतुलित ने कहा, हम सभी जानते हैं कि समुद्र में मानचित्र या चार्ट कितना महत्वपूर्ण है। उददुत मानचित्र या सिरी जैसा कोई मोबाइल एप्लिकेशन नहीं है, जो हमें हमारे गंतव्य तक ले जाएगा। इसलिए हमें संधायक जैसे सर्वेक्षण जहाजों द्वारा बनाए गए चार्ट और मानचित्रों की आवश्यकता है, जो केवल नौसेना के जहाजों के लिए ही नहीं, बल्कि वाणिज्यिक जहाजों के लिए भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए रास्ते को संभव और आसान बनाते हैं।उन्होंने कहा, इन जहाजों की प्राथमिक भूमिका बंदरगाहों और बंदरगाहों के पूर्ण पैमाने पर तटीय और गहरे पानी के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करना होगा। इसके अलावा, आकस्मिक स्थिति में जहाज को अस्पताल जहाज के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।नौसेना प्रमुख ने मिशन के लिए प्रधानमंत्री

आत्मनिर्भर बल तैयार कर रहे हैं।नौसेना प्रमुख कुमार ने कहा, हम आरोही भारत की सेवा में सावधानीपूर्वक एक संतुलित 'आत्मनिर्भर बल' तैयार कर रहे हैं। आईएनएस संधायक के कमीशनिंग समारोह में भाग लेने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विशाखापत्तनम पहुंचे हैं, जिनका नौसेना प्रमुख ने गर्मजोशी से स्वागत किया।समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा, आईएनएस संधायक के कमीशनिंग समारोह के लिए रक्षा मंत्री का हमारे बीच होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा, संध्याक जिसका शाब्दिक अर्थ है 'वह जो विशेष खोज करता है' वास्तव में चार अत्याधुनिक सर्वेक्षण जहाजों के बड़े वर्ग के पहले जहाज के लिए एक उपयुक्त नाम है।समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, उन्होंने कहा, यह परियोजना हमारी सरकार और नौसेना द्वारा समुद्र में काम करने की सर्वोत्कृष्ट आवश्यकता के बढ़ते महत्व को उजागर करती है।नौसेना प्रमुख नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का भी उल्लेख किया।का मतलब क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास है। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री के" के बड़े दृष्टिकोण के अनुसरण में, जहाज महासागरों में दोस्तों और भागीदारों को हाइड्रोग्राफिक सहायता प्रदान करेगा।उन्होंने कहा, पिछले दशक में नौसेना ने स्वदेशी रूप से अत्याधुनिक प्लेटफार्मों की समान रूप से विविध रेंज लॉन्च की है। चाहे वह शक्तिशाली विमानवाहक पोत विक्रांत हो, विशाखापत्तनम वर्ग के घातक विध्वंसक हों, बहुमुखी नीलगिरि वर्ग के युद्धपोत हों, गुप्त कलवरी वर्ग हो पनडुब्बियां, फुर्तीला उथला जलयान या विशेष भोजन सहायता जहाज ही हो।कुमार ने कहा, हम आरोहित भारत की सेवा में सावधानीपूर्वक एक संतुलित 'आत्मनिर्भर बल' तैयार कर रहे हैं।भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया।

किस बात का है इतना अंहकार, बनारस जाकर भाजपा को हराकर दिखाए कांग्रेस', ममता बनर्जी का तीखा प्रहार

(आधुनिक समाचार सेवा)
कोलकाता। केंद्रीय योजनाओं का बकाया फंड को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ शुक्रवार को यहां धरना शुरू करने वालीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। बंगाल में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने की पहले ही घोषणा कर चुकीं ममता ने धरना मंच से कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस पार्टी को इतना अहंकार किस बात का है। मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटों पर लड़कर 40 सीट भी जीत पाएगी या नहीं।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धरना मंच से कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस पार्टी को इतना अहंकार किस बात का है। मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटों पर लड़कर 40 सीट भी जीत पाएगी या नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अगर हिम्मत है तो वह बनारस में जाकर भाजपा को हराकर दिखाए।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धरना मंच से कहा कि मुझे जाते हैं। मंदिर- मस्जिद में घूमने लगते हैं। ममता ने कहा,उन्होंने सवाल किया कि न्याय यात्रा बंगाल की बजाय पहले यूपी और मध्य प्रदेश क्यों नहीं गई? उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस से कहा था कि वो 300 सीटों पर चुनाव लड़े और बाकी 243 सीट पर क्षेत्रीय पार्टियां लड़ेगी, लेकिन उन्होंने नहीं सुनी। अब वह राज्य में मुस्लिम वोटरों को लुभाने आए थे। मैं यहां दो सीटें दे रही थी और उन्हें जीता देती, लेकिन वह और अधिक चाहते थे। मैंने कहा ठीक है, फिर बंगाल की सभी 42 पर चुनाव लड़ो। अस्वीकार कर दिया। उसके बाद से उनसे (कांग्रेस) कोई बातचीत नहीं हुई।ममता ने एक दिन पहले मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में राहुल गांधी की बीड़ी कामगारों के साथ मुलाकात पर भी निशाना साधा और कहा कि आजकल फोटोशूट का नया चलन देखने में मिल रहा है, जो लोग कभी बीड़ी बनाने के बारे में नहीं जानते, कभी चाय के स्टाल पर नहीं गए, अब वह बीड़ी कामगारों के साथ बैठकर फोटो खिंचवा रहे हैं। वहीं,

समझ नहीं आता कि कांग्रेस पार्टी को इतना अहंकार किस बात का है। मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटों पर लड़कर 40 सीट भी जीत पाएगी या नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अगर हिम्मत है तो वह बनारस में जाकर भाजपा को हराकर दिखाए।बंगाल दौरे पर आई कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का उल्लेख करते हुए ममता ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि चुनाव आने पर बसंत के कोयल की तरह वह फोटो शूट कराने प्रकट हो कांग्रेस सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने न्याय यात्रा को अन्याय यात्रा कहा।मुख्यमंत्री ममता ने शुक्रवार को भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (ऍंउ) रिपोर्ट का विरोध करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'सख्त भाषा' में एक पत्र लिखा। ममता ने दावा किया कि कैग रिपोर्ट में बंगाल में वित्तीय भ्रष्टाचार को लेकर जो दावे किए गए हैं वह पूरी तरह से झूठ है। उस रिपोर्ट को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बुधवार को कहा था कि राज्य पर करीब दो लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप हैं।

मैंने 10 बार मांगी व्हीलचेयर, पर क्रू मेंबर्स ने पैरा-एथलीट ने इंडिगो पर लगाए संगीन आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
चेन्नई। भारतीय पैरा एथलीट सुवर्णा राज एक बार फिर चर्चाओं में है। सुवर्णा राज ने इंडिगो एयरलाइंस के क्रू मेंबर्स पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है।भारतीय पैरा एथलीट सुवर्णा राज एक बार फिर चर्चाओं में हैं। सुवर्णा राज ने इंडिगो एयरलाइंस के चालक दल के सदस्यों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि मैंने शुक्रवार को भी विमान में मौजूद चालक दल के सदस्यों से करीब 10 बार व्हीलचेयर की मांग की थी लेकिन उन्होंने इस मांग को स्वीकार नहीं किया।सुवर्ण राज का आरोप है कि नई दिल्ली से चेन्नई की फ्लाइट के दौरान इंडिगो एयरलाइंस के चालक दल के सदस्यों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे गुजारिश की थी कि मुझे विमान के दरवाजे पर अपनी निजी व्हीलचेयर चाहिए, लेकिन उन्होंने मेरी इस बात को अनसुना कर दिया।सुवर्णा ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि उन्होंने इंडिगो की चेन्नई जाने वाली फ्लाइट में सीट नंबर 393- बुक की थी। उन्होंने बताया कि एयरलाइंस में बार-बार उन्हें ऐसी घटनाओं का सामना करना पड़ा है। जब भी मैंने विमान में चालक दल के सदस्यों से निजी व्हीलचेयर के लिए अनुरोध किया है तो उन्होंने मेरे इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और उनके द्वारा केबिन व्हीलचेयर ही दी जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई नियम नहीं है कि वह अपनी व्हीलचेयर को लेकर न जा सकें।उन्होंने चालक दल के सदस्यों के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि मैंने शुक्रवार को भी विमान में मौजूद चालक दल के सदस्यों से करीब 10 बार व्हीलचेयर की मांग की थी, लेकिन उन्होंने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि भी एयरपोर्ट अधिकारियों के पास इसे लेकर शिकायत भी दर्ज कराई है।उन्होंने यह भी दावा किया कि और मैं चाहती हूं कि इसे पुरानी स्थिति में बहाल किया जाए। अगर एयरलाइंस के पास दिव्यांग मरीजों को व्हीलचेयर उपलब्ध कराने की नीति

उनकी निजी व्हीलचेयर को एयरलाइन क्रू द्वारा नुकसान पहुंचाया गया है। जिसकी कीमत 3 लाख रुपये है। इंडिगो को मेरी व्हीलचेयर को हुए नुकसान की भरपाई करनी चाहिए है तो क्यों क्या वे बार-बार प्रोटोकॉल तोड़ते हैं? सरकार को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और जांच करनी चाहिए कि ऐसी घटनाएं इतनी बार क्यों हो रही हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस कुण्डा में डीएम एवं एसपी ने सुनी शिकायतें,04का मौके पर किया निस्तारण,लेखपाल को फटकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में तहसील कुण्डा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कुण्डा तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 130 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 04 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 130 शिकायतों में से 45 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 28, विकास विभाग से 16, समाज कल्याण से 6, शिक्षा से 3 एवं 32 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा द्वारा सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में रामपुर चौरास के शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत की गयी कि चकरोड की पैमाइश में डेरवा लेखपाल रंजीत कुमार द्वारा लापरवाही बरती जा रही है जिस पर जिलाधिकारी ने लेखपाल को कड़ी फटकार लगायी और उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया कि कानून-गो और लेखपाल को भेजकर चकरोड की पैमाइश करायी जाये। राजस्व विभाग से सम्बन्धित जो भी शिकायतें प्राप्त हुई है उसको उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, कानून गो और लेखपाल गम्भीरतापूर्वक राजस्व शिकायत का निस्तारण करायें इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। उन्होने अधिकारियों से कहा कि यदि कोई शिकायतकर्ता अपनी शिकायत के निस्तारण हेतु बार-बार तहसील और थाने का चक्कर लगा रहा है यह तो वह शिकायत निस्तारण योग्य नही है या फिर उसके शिकायते की सुनवाई नही हो रही है, यदि इस तरह की शिकायतें आये तो उसको गम्भीरतापूर्वक लेकर आवश्यक कार्यवाही करें जिससे शिकायतकर्ता को सन्तुष्टि मिल सके। उन्होने थाने के पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी राजस्व विभाग से सम्बन्धित शिकायतें आये उसमें कानूनगो और लेखपाल को बुलाकर मौके पर जाकर शिकायत का निस्तारण करायें। यदि कहीं पर चकरोड कब्जा से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हो तो उसको मौके पर जाकर कब्जा हटाने की कार्यवाही पूर्ण करायें। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ता की शिकायत का सम्पूर्ण समाधान किया जाये, अधूरा समाधान कदापि न करें। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों, लेखपालों एवं कानून-गो को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये एवं शिकायतकर्ता को पूर्णरूप से संतुष्ट किया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि कायी में ढिलाई कदापि न बरती जाये, कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये। सभी अधिकारीगण अपने-अपने दायित्वों को समझे और उसका शत् प्रतिशत निर्वहन करें जिससे आमजन मानस की समस्याओं का निराकरण किया जा सके, अधिकारीगण अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें।पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल द्वारा सुनी गयी। उन्होने पुलिस अधिकारियों/थानाध्यक्षकों को निर्देश दिया कि जो

भी शिकायकर्ता अपनी शिकायत लेकर आयें उनकी शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुने, प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कुण्डा, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना हथिगंवा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने थाना परिसर के निर्माणाधीन बाउण्ड्रीवाल एवं अन्य व्यवस्थाओं को देखा एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने मालखाना में जाकर विधानसभा रजिस्टर वर्ष 2022 व अन्य सम्बन्धित रजिस्टरों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा, उपजिलाधिकारी कुण्डा भी उपस्थित रहे

मैहर सरपंच सचिव ग्रामीण क्षेत्रों पर विकास पर ध्यान दें बजट की कोई कमी नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी आज मैहर जनपद पंचायत सभागृह में सरपंच सचिव रोजगार सहायकों की स्थानीय लोगों के लिए चलाई जा रही सारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को दिलाने का काम करें किसी प्रकार के बड़े निर्माण

संयुक्त बैठक की इस बैठक में जनपद पंचायत मैहर के सीईओ प्रतिपाल सिंह बागरी जनपद सदस्य कुलदीप तिवारी एवं काफी मात्रा में सरपंच सचिव रोजगार सहायक एवं जनपद सदस्य उपस्थित रहे इस बैठक में सरपंच सचिव द्वारा बताए गए समस्या एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और विकास के मुद्दों पर चर्चा हुई जिस पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने सभी से कहा कि शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थानी जनता की समस्या का निराकरण उनके छोटे-छोटे जरूरत के काम एवं गांव को मॉडल और आदर्श ग्राम बनाने के लिए गांव की साफ सफाई स्वच्छ पेयजल सड़क नाली बिजली खाद्यान्न सामग्री वितरण शासकीय स्कूल आंगनबाड़ी में स्वच्छ वातावरण वृद्धजनों की पेंशन और शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के मै कोई भी बजट की कमी नहीं आएगी बस हर पंचायत के सरपंच सचिव रोजगार सहायक मिलकर के ग्रामीण क्षेत्र के बारे में विस्तार से काम करें उस से क्षेत्र की समस्याएं भी काम हो जाएगी और गांव का वातावरण भी शुद्ध होता जाएगा मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि हर गांव में अच्छी सड़क नाली साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए जिसके लिए मैं हर संभव प्रयास करने का काम करूंगा अभी वर्तमान में गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है जिसको लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बड़ी तैयारी करने के लिए निर्देश दिए गए हैं इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कई जिला पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

पर्यावरण को स्वच्छ रखने में पौधे सहायक- आर पी सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा (सोनभद्र)। हिंडालको रेणुसागर पावर डिवीजन के उद्यान विभाग द्वारा मधुवन पार्क लान में पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न तरह के फूलों के खुशबू से पूरा स्थल खुशनुमा हो गया, पुष्प प्रदर्शनी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों की सराहना की गयी ।कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि हिंडालको रेणुसागर पावर डिवीजन के प्रमुख आर पी सिंह व दिशिता महिला मंडल की प्रमुख इंदू सिंह ने संयुक्त रूप फीता काटकर किया। पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य होता है कि अपने घर में कुछ न कुछ पौधे और फूल अवश्य लगाएं, विशेष तौर पर फूलों से पूरा वातावरण सुगंधित हो जाता है साथ ही साथ मन को प्रसनन्ता एवं शांति मिलती है।पूरे प्रदर्शनी को विभिन्न वर्गों व उपवर्गों में बॉटा गया, जिसमें दो गमले वाले विभिन्न किस्मों के सदाबहार पत्तियों वाले व दो गमले वाले एक फर्न व एरोकेरिया के अलावा विभिन्न प्रकार के मौसमी फूल जिसमे डहेलिया व गेंदे की तमाम

तत्पश्चात सिक्योरिटी विभाग के हेड कर्नल जयदीप मिश्रा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि ने पूरी टीम के साथ प्रदर्शनी में प्रदर्शित पौधे व फूलों का अवलोकन किया। तत्पश्चात अपने सम्बोधन में कहा कि हरियाली सभी को अच्छी लगती है और पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण आयोजन है, पौधे प्रजातियां शामिल थी। इस अवसर पर मुख्य रूप से ललित खुराना, नितिन गोयल, ओम प्रकाश,सतनाम सिंह ,के सी ब्यौरा, मुकेश श्रीवस्तवसोमनाथ ओझा के आलावा मान्यता प्राप्त यूनियन के पदाधिकारी व उद्यान विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व समापन उद्यान विभाग अधिकारी बलवंत सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

ओवर लोड वैगर परमिट संचालित टिपरो से राजस्व का करोड़ो की छती,जिम्मेदार मौन।

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला सोनभद्र। - चोपन थाना से कोन, हाथीनाला, दुद्धी के लिए चलते है वैगर परमिट के ज्यादा टिपर। जिस पर प्रशासन संज्ञान में लेते हुए भी अनजान है। कारण है मोटी कमाई है बताते चले कि डाला क्रशर क्षेत्र से वैगर परमिट (श्श-11) के डेढ़ दर्जन बिशेष पासर भी नियुक्त है। जो महीने की वसूली में मस्त है । जिसका लाखो वसूली होती है । बीते 12 जनवरी को लगभग 5 ओवर लोड गिट्टी लदी टिपरो को चोपन थाना अंतर्गत नौटोलिया में खड़ा करा कर वसूली किया गया जिसमें प्राइवेट व्यक्ति को सामने खड़ा कर खेलन खेला जा रहा

से ज्यादा टिपर मालिको की बल्ले बल्ले है, परमिट के दामों में उछाल एक बहाना है , आये दिन वर्षों से बिना रोकटोक मनमाने ढंग से टिपरो के संचालन से कुछ लोगों के लाखों की इनकम भी सामने आ रही है। भले सरकार को करोड़ों का नुकसान हो जाय। कोई फर्क किसी बिभाग को नही पड़ता। सूत्रों की माने तो डाला से तेलगुड़वा होकर कोन थाना क्षेत्र, हाथीनाला होकर दुद्धी रेनुकूट जाने वाले ओवर लोड टिपर गिट्टी लेकर अपने गंतव्य को जाता है। लेकिन कोई पूछने वाला नही है। जिसका कुछ है।बे रोकटोक बिला परमिट के टिपर आये दिन महीना देने के बाद बेखौफ धड़ल्ले से चल रहे है। जिस सम्बन्ध में शिकायत पर बताया जाता है की जांच समय-समय पर हो रही है। पकड़े जाने पर कार्य वाही होती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खनिज विभाग की भूमिका सन्दिग्ध है। जिसका परमिट चेक करने के लिए खनिज विभाग का डाला शाहिद स्थल से 100 मीटर आगे चेक पोस्ट भी लगा है। जहां वसूली में व्यवधान न हो इसलिए ताला लगा रहता है।

स्वर्ण जयंती चौक पर सपा जिला सचिव के नेतृत्व मे कार्यकरताओ ने जमकर प्रदर्शन किया

महिलाओं के लिए एक वरदान बनकर सामने आ रही सखी वन स्टाप सेन्टर- दीपिका सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र।सोनभद्र/समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा, किसान, नौजवान, महिला विरोधी बजट को लेकरस्वर्ण जयंती चौक पर प्रदर्शन किया गया नेतृत्व कर रहे सपा के जिला सचिव प्रमोद यादव ने कहा कि आज 18 लाख करोड़ रुपए का बजट घाटा है इसका मतलब है कि सरकार अपने खर्च के लिए पटेल व जेपी भारती ने कहा कि यह सरकार केवल किसानों का शोषण कर रही है आय दुगनी न करके एक तरफ यूरिया का दाम बढ़ाना चिंता का बिसय है पूर्व नगर सचिव मनीष तिवारी ने कहा कि वित्त मंत्री का बयान यह बजट छोटा बजट है इससे साफ जाहिर होता है कि देश की जनता को देने के लिए कुछ है ही नही एक

उधार ले रहे हैं ये आने वाले समय में बढ़ सकता है जो भारतीय अर्थ ब्यस्था के लिए चिंता का विसय है एक तरफ केंद्र की सरकार मोदी गारंटी योजना चला रही है लेकिन देश में बेरोजगारी की गारंटी, भुखमरी की गारंटी, हर विभाग में भ्रस्टाचार की गारंटी, राम भरोसे तरफ पूजीपतियो का कर्ज माफ किया जाना दुर्भगाय पूर्ण है इस मौके पर, लल्लू भारती, मुलायम यादव, शौकत अली, सनी यादव, अर्जुन कश्यप, राजकुमार सोनकर, गुलाब भारती, हीरावती भारती, कल्याणी भारती, पुसपा कोल, राहुल पाण्डे मौजूद रहे

मैहर सरपंच सचिव ग्रामीण क्षेत्रों पर विकास पर ध्यान दें बजट की कोई कमी नहा

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर।मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी आज मैहर जनपद पंचायत सभागृह में सरपंच सचिव रोजगार सहायकों की संयुक्त बैठक की इस बैठक में जनपद पंचायत मैहर के सीईओ प्रतिपाल सिंह बागरी जनपद सदस्य आंगनबाड़ी में स्वच्छ वातावरण वृद्धजनों की पेंशन और शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के स्थानीय लोगों के लिए चलाई जा रही सारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को दिलाने का काम करें किसी प्रकार के बड़े निर्माण मैं कोई भी बजट की

कुलदीप तिवारी एवं काफी मात्रा में सरपंच सचिव रोजगार सहायक एवं जनपद सदस्य उपस्थित रहे इस बैठक में सरपंच सचिव द्वारा बताए गए समस्या एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और विकास के मुद्दों पर चर्चा हुई जिस पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने सभी से कहा कि शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थानी जनता की समस्या का निराकरण उनके छोटे-छोटे जरूरत के काम एवं गांव को मॉडल और आदर्श ग्राम बनाने के लिए गांव की साफ सफाई स्वच्छ पेयजल सड़क नाली बिजली खाद्यान्न सामग्री वितरण शासकीय स्कूल कमी नहीं आएगी बस हर पंचायत के सरपंच सचिव रोजगार सहायक मिलकर के ग्रामीण क्षेत्र के बारे में विस्तार से काम करें उस से क्षेत्र की समस्याएं भी काम हो जाएगी और गांव का वातावरण भी शुद्ध होता जाएगा मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि हर गांव में अच्छी सड़क नाली साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए जिसके लिए मै हर संभव प्रयास करने का काम करूंगा अभी वर्तमान में गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है जिसको लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बड़ी तैयारी करने के लिए निर्देश दिए गए हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। भारत-भारतीय के तत्वावधान में 11 फरवरी को बाबा मद्दी शहीद हन्डौर के उर्स में होने वाले मुशायरे की तैयारी बैठक सामाजिक माध्यम के जरिए संपन्न हुई मो0अफजल की सदारत में हुई इस बैठक में मुशायरे से संबंधित चर्चा की गई।चर्चा में तय किया गया कि 10:30 बजे प्रातः से 01-30 बजे बीच मुशायरा को संपनन कर लिया जाय। इसके बाद गागर आने पर नातिया कव्वाली का कार्यक्रम होगा।मुशायरे का उद्घाटन राज्य सरकार से पुरस्कृत एवं सम्मानित ग्राम प्रधान हन्डौर नीतेश सिंह बीरू करेंगे। मुशायरे के मुख्य अतिथि इम्तियाज पूर्व महासचिव युवा कांग्रेस उत्तर प्रदेश होंगे तथा विशिष्ट अतिथि मोहम्मद शफीक मनिहार कोषाध्यक्ष उत्तर प्रदेश मनिहार वेलफेयर ट्रस्ट व सूफी डॉ.मो.मुश्ताक अहमद जिला अध्यक्ष मनिहार वेलफेयर ट्रस्ट होंगे।सर्वविदित है कि इस ग्राम पंचायत में कई वर्षों से महमूद आलम के संयोजन में बाबा मद्दी शहीद के उर्स का आयोजन होता है और राष्ट्रीय कवि एवं कहानीकार डॉ.रणजीत सिंह के दिशा निर्देश में मो.अमीन कल्लू के संयोजन में कौमी एकजहती मुशायरे का आयोजन किया जाता है बैठक में मो0अन्सार, मो0कमाल, मो0 अफसर,मिर्जा सफीक बेग गुड्डू भाई ,मो0 कलाम,इश्तिखार अहमद छोटे,मो0 इसरार गुड्डू, खलील उर्फ भुल्लर भाई,राधेश पाण्डेय,बडे॰ लाल वर्मा आदि शामिल रहे।

ज्ञानवापी मामले को लेकर सुरक्षा व्यवस्था रहा चाक चौबंद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। वाराणसी ज्ञानवापी मामले को लेकर शुक्रवार को जिले भर की पुलिस थाना खुफिया पुलिस रही हाई अलर्ट।एडिशनल एसपी मुख्यालय कालू सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह के तिराह सहित संवेदनशील इलाकों में ग्रस्त की गई और संबंधित प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई कि किसी प्रकार से कोई चुप ना हो जिससे कि कोई घटना या विवाद हो सके सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूर्ण रूप से पुलिस

दिशा निर्देशानुसार जिले भर के सभी थाना क्षेत्र क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई थी सभी थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी सहित इंटेलिजेंट टीम को सक्रिय कर दिया गया था शुक्रवार पूरे दिन फ्लैग मार्च व अगस्त करते हुए लाइन ऑर्डर को लेकर संबंधितों को कड़े दिशा निर्देश दिए गए थे वहीं श्री सिंह ने बताया कि रावटसगंज कस्बे के स्वर्ण जयंती चौक शीतला चौक पुरम मोहन नई बस्ती महिल प्रशासन चाक चौबंद रहा देर शाम तक शांति व्यवस्था बनी रही वहीं एडिशनल एसपी मुख्यालय कालू सिंह ने बताया कि रात्रि अगस्त व उन ड्यूटी में भी संबंधितों को कड़े दिशा निर्देश दे दिए गए हैं किसी प्रकार से लापरवाही बढ़ते जाने पर कार्रवाई की जाएगी लायन आर्डर का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी।

नक्सली लालव्रत कोल को उम्रकैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। साढ़े 11 वर्ष पूर्व छिकड़ा जंगल में हुए पुलिस नक्सली मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए नक्सली लालव्रत कोल के पास से प्रतिबंधित असलहा बरामद होने के मामले में शुक्रवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम एहसानुल्लाह खां की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी नक्सली लालव्रत कोल को आजीवन कारावास व 30 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।अभियोजन पक्ष के मुताबिक 29 मई 2012 को वीरेंद्र कुमार यादव, चौकी प्रभारी डाला को मुखबिर खास के जरिए यह सूचना मिली कि छिकड़ा के जंगल में कुछ नक्सली अपराधियों की चहल कदमी देखी गई है। जो किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने की फिराक में हैं। इतना ही नहीं उनके साथ अन्य प्रांतों के नक्सली संगठन के लोग आकर बैठक कर रहे हैं। इसकी सूचना तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सुभाष चंद्र दुबे को दी गई तो उन्होंने चोपन थाना पर हमाराहियों के साथ पहुंचने का निर्देश दिया। जिसके अनुपालन में हमराहियों के साथ चोपन थाने पर रात 11:30 बजे पहुंच गया। उसी समय तत्कालीन सीओ पिपरी प्रमोद कुमार यादव , शक्तिनगर थानाध्यक्ष पंकज कुमार यादव, कोन थानाध्यक्ष शिवानंद मिश्रा अपने अपने हमराहियों के साथ चोपन थाने पहुंच गए। थोड़ी ही देर बाद पुलिस अधीक्षक सुभाष चन्द्र दुबे भी फोर्स के साथ चोपन थाने पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसओजी और सीआरपीएफ फोर्स को मौके पर बुलाया गया। चोपन थाने पर ही तीन टीम बनाई गई। पहली टीम का नेतृत्व एसपी सुभाष चंद्र दुबे खुद कर रहे थे, दूसरी टीम का नेतृत्व सीओ पिपरी प्रमोद कुमार यादव और तीसरी टीम का नेतृत्व सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट पवन कुमार उपाध्याय कर रहे थे। सभी लोग पूछताछ में पकड़े गए नक्सली ने अपना नाम पता लालव्रत कोल उर्फ कमलजी पुत्र बचाऊ कोल निवासी मझिगवां, थाना नौगढ़, जिला चंदौली बताया। तलाशी करने पर उसके कब्जे से एक करबाइन, एक राइफल और 20 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बुलेट प्रूफ जैकेट पर दो फायर लगा था। एसपी सुभाष चंद्र दुबे, सीओ प्रमोद कुमार यादव, चार दरोगाओ समेत नौ पुलिस

असलहों से लैस होकर बुलेट प्रूफ जैकेट और अन्य सामग्रियों के साथ छिकड़ा जंगल की तरफ बढ़े तो कुछ दूरी पर हल्की पिली रोशनी दिखाई दी। जब टीम रोशनी की ओर बढ़ने लगी तो 6- 7 लोग असलहे के साथ बैठे हुए दिखाई दिए। जब एसपी साहब ने लाउड स्पीकर से नकालियों को आत्मसमर्पण करने को कहा तो नक्सलियों ने पुलिस बल के ऊपर अंधाधुंध फायर करने लगे। अपना बचाव करते हुए पुलिस बल ने भी फायरिंग शुरू कर दी। एक नक्सली को मैगजीन अनलोड करते समय पुलिस बल ने पकड़ लिया । शेष नक्सली भागने में सफल हो गए। वालों को चोटें आई थी। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया। मामले की विवेचना करते हुए विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी नक्सली लालव्रत कोल को आजीवन कारावास व 30 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता विनोद कुमार पाठक और अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता रोशन लाल यादव ने बहस की।

बाबा मद्दी शहीद के उर्स एवं मुशायरे की तैयारी बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। भारत-भारतीय के तत्वावधान में 11 फरवरी को बाबा मद्दी शहीद हन्डौर के उर्स में होने वाले मुशायरे की तैयारी बैठक सामाजिक माध्यम के जरिए संपनन हुई। मो0अफजल की सदारत में हुई इस बैठक में मुशायरे से संबंधित चर्चा की गई।चर्चा में तय किया गया कि 10:30 बजे प्रातः से 01-30 बजे बीच मुशायरा को संपनन कर लिया जाय। इसके बाद गागर आने पर नातिया कव्वाली का कार्यक्रम होगा।मुशायरे का उद्घाटन राज्य सरकार से पुरस्कृत एवं सम्मानित ग्राम प्रधान हन्डौर नीतेश सिंह बीरू करेंगे। मुशायरे के मुख्य अतिथि इम्तियाज पूर्व महासचिव युवा कांग्रेस उत्तर प्रदेश होंगे तथा विशिष्ट अतिथि मोहम्मद शफीक मनिहार कोषाध्यक्ष उत्तर प्रदेश मनिहार वेलफेयर ट्रस्ट व सूफी डॉ.मो.मुश्ताक अहमद जिला अध्यक्ष मनिहार वेलफेयर ट्रस्ट होंगे।सर्वविदित है कि इस ग्राम पंचायत में कई वर्षों से महमूद आलम के संयोजन में बाबा मद्दी शहीद के उर्स का आयोजन होता है और राष्ट्रीय कवि एवं कहानीकार डॉ.रणजीत सिंह के दिशा निर्देश में मो.अमीन कल्लू के संयोजन में कौमी एकजहती मुशायरे का आयोजन किया जाता ह बैठक में मो0अन्सार, मो0कमाल, मो0 अफसर,मिर्जा सफीक बेग गुड्डू भाई,मो0 कलाम,इश्तिखार अहमद छोटे,मो0 इसरार गुड्डू, खलील उर्फ भुल्लर भाई,राधेश पाण्डेय,बडे॰ लाल वर्मा आदि शामिल रहे।

दूल्हा दुल्हन शादी करके लौटते समय कार नियंत्रित होकर हाइवा के पीछे मारी टक्कर चार घायल।

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमुरा में आज शनिवार दोपहर वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर पहले से खड़ी हाईवा में दुल्हा-दुलहन की कार पीछे से टकरा गई। जिसमें कार सवार दुल्हा-दुल्हन समेत चार लोग घायल हो गये। घटना के सम्बंध में मिली जानकारी के अनुसार वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित गुरमुरा में एक हाईवा मार्ग के किनारे खड़ा था। तभी डाला से हाथीनाला की तरफ जा रही कार अचानक खड़ी हाईवा के पिछले भाग से जा टकराया। घटना के बाद आसपास के लोग एकत्र हो गये और कार में फंसे सभी घायलो को एक-एक कर बाहर निकाला और टोलप्लाजा की एम्बुलेंस से सभी घायलो को चोपन

सामुदायिंक स्वास्थ्य केन्द्र भेजवाया गया। घटना में कार सवार दुल्हा मोहित सिंह (28) पुत्र सुभाष चन्द्र सिंह, दुल्हन आंकाक्षा सिंह (26), जय बजरंग सिंह (38) पुत्र रामप्यारे सिंह व अंजू सिंह (35) पतने जय बजरंग सिंह सभी निवासी ढोती-बैढन मध्य प्रदेश घायल हो गए। शुक्रवार को ढोती-बैढ़न से बारात बलिया जिला को गयी थी।

ब्रैडमैन से भी पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने तूफानी पारी के बा स्पेशल' यशस्वी की क्रिकेट के 'डॉन' से की तुलना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विजाग में दूसरे टेस्ट मैच में भारत के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने दोहरा शतक जड़ा है। यशस्वी ने 271 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इस बीच हर तरफ यशस्वी की जमकर तारीफ हो रही है।विजाग में दूसरे टेस्ट मैच में भारत के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने दोहरा शतक जड़ा है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर यशस्वी जायसवाल की जमकर तारीफ की है। आकाश चोपड़ा ने यशस्वी की तुलना सर डॉन ब्रैडमैन से की है। उन्होंने कहा कि इन दिनों यशस्वी सर डॉन ब्रैडमैन से भी ऊपर हैं।अब भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा यशस्वी जायसवाल की जमकर तारीफ की है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि यशस्वी जयसवाल के बल्ले से सबसे शानदार प्रदर्शन आया। बच्चे ने कितनी अच्छी बल्लेबाजी कीजिमी एंडरसन एकमात्र तेज गेंदबाज थे और वह अपनी गेंदों को छोड़ते रहे। उन्होंने जेम्स एंडरसन की गेंदबाजी को बहुत सम्मान दिया। इसके बाद जब स्पिनर आए तो उन्होंने ओवर में दो चौके लगाए। इसके बाद यशस्वी ने अपने प्रदर्शन के दम पर दिखा दिया वह इतने खास क्यों हैं।चोपड़ा ने कहा कि फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10 या उससे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों के लिए यशस्वी के अर्धशतक को शतक में बदलने का रेट भी है। इस वक्त यशस्वी सर डॉन ब्रैडमैन से भी ऊपर है। यशस्वी के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज अपनी पारी को बड़े स्कोर में नहीं बदल सका।चोपड़ा ने आगे कहा कि अपने नाम के जैसा काम कर रहे हैं। वह हर बार दिखाते हैं कि वह शानदार खिलाड़ी हैं। वह अकेले बल्लेबाज हैं, जो इस मैच में अकेले 179 के स्कोर पर खड़े हैं। इसके अलावा कोई 40 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। तो यशस्वी जायसवाल एक तरफ हुए और पूरी भारतीय टीम एक तरफ है।चोपड़ा ने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा कि ठयशस्वी ने दिखाया कि आपको असल भारतीय पिच पर स्पिन को कैसे खेलना है। यह खराब पिच नहीं है, स्पिन के लिए पहले दिन यहां बहुत अधिक मदद नहीं है। यशस्वी ने गेंद को पूरी तरह से सामने आने दिया और बड़े शार्ट लगाए। यशस्वी गेंद को हवा में मारने से डर नहीं रहे थे और छक्के के साथ उन्होंने शतक पूरा किया

नेपाल को रौंद शान से सेमीफाइनल में पहुंचा भारत अब साउथ अफ्रीका से होगा सामना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विजयी रथ पर सवार युवा भारतीय टीम ने अपने अंतिम सुपर सिक्स मैच में नेपाल को 129 रन से रौंदकर आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना साउथ अफ्रीका से होगा। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है।सचिन दास (116) और कप्तान उदय सहारन (100) की शतकीय पारियों और दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 215 रन की साझेदारी के दम पर भारत ने पांच विकेट पर 297 रन का स्कोर बनाया था। इसके बाद सौम्य पांडे (4/29) की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों के सामने नेपाल की 50 ओवर में टीम नौ विकेट पर 165 रन ही बना सकी।सचिन दास (116) और कप्तान उदय सहारन (100) की शतकीय पारियों और दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 215 रन की साझेदारी के दम पर भारत ने पांच विकेट पर 297 रन का स्कोर बनाया था। इसके बाद सौम्य पांडे (4/29) की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों के सामने नेपाल की 50 ओवर में टीम नौ विकेट पर

165 रन ही बना सकी।पांडे के अलावा अर्शीन कुलकर्णी ने दो विकेट लिए। नेपाल के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। उसके लिए कप्तान देव कनाल ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। इससे पहले, दास और सहारन ने उस समय भारतीय पारी को संभाला जब टीम 14वें ओवर में 62 रन पर तीन विकेट गंवा कर संघर्ष कर रही थी।दास ने 101 गेंद की अपनी आक्रामक पारी में 11 चौके और तीन छक्के जड़े जबकि सहारन ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 107 गेंद की पारी में नौ चौके की मदद से 100 रन बनाए। दोनों के बीच 202 गेंद में 2015 रन की यह साझेदारी टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी है।दास और सहारन के शतकों के बाद मौजूदा विश्व कप में भारत के लिए शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों की संख्या पांच हो गई हैं। भारत ने अब तक खेले पांच मैचों में चार में 290 से ज्यादा का स्कोर किया है जिसमें से टीम दो बार 300 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रही है।

पृथ्वी शॉ हुए फेल तो शिवम दुबे का हिट शो, ज्योत्सनिल और शाश्वत ने दिल्ली को विकेट के लिए तरसाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।बड़ौदा के सलामी बल्लेबाज ज्योत्सनिल सिंह (नाबाद 124) और शाश्वत रावत (नाबाद 71) ने शतक जमाए। दोनों दूसरे विकेट के लिए 199 रनों की साझेदारी की। रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-डी मैच के पहले दिन दिल्ली के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक बड़ौदा ने पहली पारी में एक विकेट पर 202 रन बनाए हैं।2024 रणजी ट्रॉफी 2024 के राउड-5 में बंगाल के खिलाफ पहले दिन स्टंप्स तक मुंबई का स्कोर 330/6 था। पृथ्वी शॉ ने 35 रन बनाए तो वहीं अजिंक्य रहाणे के स्थान पर भेज गए शिवम दुबे ने अर्धशतकीय पारी खेली। सौराष्ट्र ने महाराष्ट्र के खिलाफ जोरदार वापसी की है। चंडीगढ़ के खिलाफ पहले दिन स्टंप्स तक पंजाब 307/2 पर पहुंच गया।घरेलू मैदान पर उत्तर प्रदेश ने असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। विकेटकीपर

बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 162) और करन शर्मा (नाबाद 108) की शतकीय पारी के बदौलत दिन का खेल खत्म होने तक उत्तर प्रदेश की टीम ने पहली पारी में दो विकेट पर 319 रन बना लिए।ऑफ स्पिनर अमन कुमार (4 विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से हरियाणा ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप-ए मैच के शुरुआती दिन सेना की पहली पारी लड़खड़ा दी। दिन का खेल समाप्त होने तक सेना ने सात विकेट पर 72 रन बनाए हैं। स्टंप के समय अर्जुन शर्मा 11 और पूनम पूनिया 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

माको जेन्सन ने पहले बल्ले और फिर गेंद से दिखाया मास्टरक्लास शो, 31 गेंदों में कूटे 71 रन, सनराइजर्स ने दर्ज की रोमांचक जीत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। लीग में 2 फरवरी को पार्ल रॉयल्स बनाम सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच मुकाबला हुआ। सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने रन पर अपना विकेट गंवा बैठे। हरमन ने भी 36 रन की पारी खेली। टीम के लिए मार्को जेन्सन ने सबसे ज्यादा 71 रन बनाए। उन्होंने 31 गेंदों में 229.03 की स्ट्राइक रेट के साथ 4

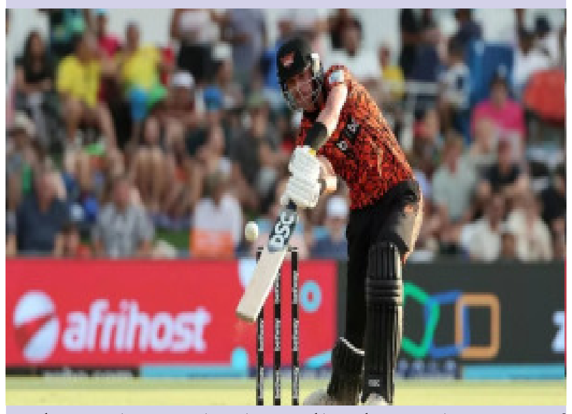

का फैसला करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 208 रन बनाए। एसए20 लीग में पार्ल रॉयल्स बनाम सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच मुकाबला हुआ। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 208 रन बनाए। जीत के लिए 209 का पीछा करने उतरी रॉयल्स की टीम 20 ओवर में सिर्फ 7 विकेट के नुकसान पर 164 रन ही बना सकी। सनराइजर्स ने 44 रन से मैच अपने नाम कर लिया।जीत के लिए 209 का पीछा करने उतरी रॉयल्स की टीम 20 ओवर में सिर्फ 7 विकेट के नुकसान पर 164 रन ही बना सकी। सनराइजर्स ने 44 रन से मैच अपने नाम कर लिया। सनराइजर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम 8 रन पर डेविड मलान का विकेट गंवा बैठी।इसके बाद टॉम एबेल और जॉर्डन हरमन ने पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों में 77 रन जोड़े। इस बीच टॉम एबेल अपने अर्धशतक के चूक गए और 46 चौके और 6 छक्के लगाए। पार्ल रॉयल्स की ओर से इवान जोन्स ने सबसे ज्यादा दो विकेट अपने नाम किए। विहान लुब्बे और तबरेज शम्सी ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।209 रन का टारगेट चेज करने उतरी रॉयल्स की शुरुआत अच्छी रही। जेसन रॉय और जोस बटलर ने पहले विकेट के लिए 68 जोड़े। बटलर ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 45 गेंदों में 6 चौकों और 2 छक्कों के साथ 142.22 की स्ट्राइक रेट से अर्धशतकीय पारी खेली। जेसन रॉय ने 32 रन बनाए। डेविड मिलर 14 रन बनाए और लुंगी एनगिडी ने 13 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। सनराइजर्स के लिए मार्को जेन्सन, लियाम डॉसन और बेयर्स स्वानपेल ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा डैनियल वॉरॉल ने 1 विकेट लिया। इसके चलते सनराइजर्स ने मैच अपने नाम कर लिया।

जब कमेंट्री छोड़कर चले गए सुनील गावस्कर, वजह जानकार आप भी हो जाएंगे परेशान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बीच में 179 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड की तरफ से डेब्यू करने वाले शोएब बशीर ने दो विकेट चटकाए।मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे दिग्गज क्रिकेटर

कमेंट्री छोड़कर चले गए। रिपोर्ट के अनुसार, गावस्कर जब कमेंट्री कर रहे थे, तभी उन्हें खबर मिली की उनकी सास का निधन हो गया है। इसके बाद वह विशाखापत्तनम से कानपुर के लिए निकल गए।मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर के लिए अप्रिय खबर आई। रिपोर्ट के अनुसार भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को अपनी सास के निधन की खबर मिली। इसके बाद वह बीच में ही कमेंट्री छोड़ विशाखापत्तनम से कानपुर के लिए उड़ान भरी। सुनील गावस्कर शुक्रवार दोपहर अपनी पत्नी मार्शनील गावस्कर और अपने परिवार के साथ कानपुर के लिए रवाना हुए।पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच विशाखापत्तनम में खेला जा रहा है। पहले दिन स्टंप्स तक भारत ने 6 विकेट खोकर 336 रन बना लिए हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल सुनील गावस्कर के लिए अप्रिय खबर आई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को अपनी सास के निधन की खबर मिली। इसके बाद वह बीच में ही कमेंट्री छोड़ विशाखापत्तनम से कानपुर के लिए उड़ान भरी।सुनील गावस्कर शुक्रवार दोपहर अपनी पत्नी मार्शनील गावस्कर और अपने परिवार के साथ कानपुर के लिए रवाना हुए। गावस्कर भारत की सीनियर पुरुष क्रिकेट सीरीज के लिए सबसे अधिक मांग वाले कमेंटेटरों और विश्लेषकों में से एक रहे हैं। पूर्व कप्तान पहले टेस्ट के दौरान हैदराबाद में मेजबान प्रसारकों के कमेंट्री पैनल का हिस्सा थे।बता दें कि भारत के लिए 125 टेस्ट मैच खेलें हैं और 10,122 रन और 108 वनडे मैचों में 3092 रन बनाए हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह वर्ल्ड क्रिकेट के लिए कमेंट्री करते हैं।

क्रॉली और डकेट ने शुरू की लंच के बाद पारी इंग्लैंड का स्कोर बिना किसी नुकसान के 34 रन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक जड़ा है। उन्होंने विशाखापट्टनम में 277 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। उन्होंने चौके के साथ अपना दोहरा शतक पूरा किया। यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक जड़ा है। उन्होंने विशाखापट्टनम में 277 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इस दौरान युवा बल्लेबाज ने 72.66 की स्ट्राइक रेट से 19 चौके और 7 छक्के लगाए। उन्होंने सिर्फ 6 टेस्ट मैचों की 20 पारियों में यह कारनामा करके दिखाया यशस्वी के टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। इस दोहरे शतक के साथ ही यशस्वी टेस्ट करियर में अपने 600 रन भी पूरे कर लिए हैं। यशस्वी ने 6 टेस्ट मैचों की 10 पारियों में अब तक कुल 609 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक जड़े हैं। साथ ही एक दोहरा शतक भी उनके नाम है। एक बार यशस्वी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन में 0 पर पवेलियन लौटे थे। यशस्वी जायसवाल एक डब्ल्यूटीसी में दोहरा शतक जड़ने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले विराट कोहली, रोहित

है।इस दौरान युवा बल्लेबाज ने 72.66 की स्ट्राइक रेट से 19 चौके और 7 छक्के लगाए। उन्होंने सिर्फ 6 टेस्ट मैचों की 10 पारियों में यह कारनामा करके दिखाया है। जायसवाल 290 गेंदों में 209 रन बनाकर एंडरसन के हाथों अपना विकेट गंवाकर पवेलियन लौट गए।यशस्वी ने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 171 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड के खिलाफ इस पारी से पहले यह शर्मा और मयंक अग्रवाल ये कारनामा कर चुके हैं।साथ ही यशस्वी सबसे कम उम्र में दोहरा शतक जड़ने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं यशस्वी डब्ल्यूटीसी 2023-25 में एक पारी में सबसे ज्यादा 209 स्कोर बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये साउद शकील 208 के नाम था। इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने 201 रन बनाए हैं। यशस्वी डब्ल्यूटीसी में दोहरा शतक बनाने वाले पांचवे बल्लेबाज हैं।

यम आई ई के गेंदबाजों ने वॉरियर्स को सस्ते में समेटा, बल्लेबाजों ने की पिटाई; 8 विकेट से दर्ज की जीत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एमआई एमिरेट्स ने शुक्रवार को आईटीएल-20 में शारजाह वॉरियर्स को 8 विकेट से जीत दर्ज की। दमदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों ने आसानी से जीत दर्ज कर ली। शारजाह वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 129 पर ढेर हो गई थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई एमिरेट्स ने 11.1 ओवर में दो विकेट गंवाकर 133 रन बनाकर मैच जीत लिया।आईएलटी-20 मुकाबले में एमआई के लिए वकार सलामखिल ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। ट्रेंट बोल्ड और अकील हुसैन ने दूसरे छोर से वॉरियर्स के बल्लेबाजों पर शिकंजा कसकर रखा और दो-दो विकेट चटकाए। शारजाह वॉरियर्स के लिए सीन विलियम्स ने सर्वाधिक 35 रन बनाए।टॉस जीतकर एमआई ने पहले गेंदबाजी चुनी। निरोशन डिकवेला (17) और जानसन चा?र्ल्स (29) ने वॉरियर्स को अच्छी शुरुआत दिलाई और पांचवें ओवर में 34 रन की जोड़े। बोल्ट ने डिकवेला को आउट कर वारियर्स को ऐसा झटका दिया कि उसके विकेट गंवाने का क्रम रुका ही नहीं। 83 रन पर ही उसने छह विकेट

विकेट लिए। ट्रेंट बोल्ड और अकील हुसैन ने दूसरे छोर से वॉरियर्स के बल्लेबाजों पर शिकंजा कसकर रखा और दो-दो विकेट चटकाए। शारजाह वॉरियर्स के लिए सीन विलियम्स ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। टॉस जीतकर एमआई ने पहले गेंदबाजी चुनी थी।आईएलटी-20 मुकाबले में एमआई के लिए वकार सलामखिल ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 ओवर में 18 गंवा दिए थे।उसके सात बल्लेबाज 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सके। विलियम्स ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें किसी अन्य बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। कप्तान लूईस ग्रेगोरी ही 11 रन का योगदान दे पाए।130 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई ने 80 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। मोहम्मद वसीम 13 गेंद पर 37 रन बनाकर आउट हुए। कुसल परेरा ने 47 रन का पारी खेली।

'चेतेश्वर पुजार तैयार बैठा है रवि शास्त्री ने इस बल्लेबाज के खराब प्रदर्शन पर दी चेतावनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बल्ले के साथ शुभमन गिल की निराशाजनक फॉर्म जारी है। इसे लेकर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने गिल को चेतवानी दी है। रवि शास्त्री ने कहा ने कहा कि अपने खेल में सुधार करें नहीं तो चेतेश्वर पुजारा जैसे खिलाड़ी तैयार बैठे हैं।2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान डेंगू से उबरने के बाद से गिल का बल्ले का फॉर्म काफी खराब रहा है जिसमें सबसे ताजा मामला इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट का है। गिल को हैदराबाद टेस्ट के दौरान क्रीज पर टिके रहने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पहले टेस्ट मैच में वह 23 और 0 पर आउट हुए थे।2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान डेंगू से उबरने के बाद से, गिल का बल्ले का फॉर्म काफी खराब रहा है, जिसमें सबसे ताजा

मामला इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट का है। गिल को हैदराबाद टेस्ट के दौरान क्रीज पर टिके रहने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पहले टेस्ट मैच में वह 23 और 0 पर आउट हुए थे। वहीं, दूसरे टेस्ट मैच में भी उन्हें बल्लेबाजी के दौरान संघर्ष करते हुए देखा गया। भारत की पहली पारी में 46 गेंद पर 34 रन बनाकर अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने आउट किया।शुभमन गिर की खराब फॉर्म पर कमेंट्री के दौरान शास्त्री ने घरेलू क्रिकेट में पुजारा की लगातार सफलता और सौराष्ट्र के लिए उनके शानदार प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए गिल को अपने प्रदर्शन में सुधार लाने की सलाह दी। शास्त्री ने कहा, ठयह एक नई टीम है, एक युवा टीम है। इन युवाओं को खुद को साबित करना होगा। मत भूलिए, पुजारा इंतजार कर रहे हैं। वह रणजी ट्रॉफी में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और वह तैयार बैठे हुए हैं।शास्त्री ने आगे कहा, ठयह एक टेस्ट मैच है, आपको वहां रहना होगा। अन्यथा, आप सभी प्रकार की समस्याओं में फंस जाएंगे। आप उन कठोर हाथों से जा रहे हैं, गेंद तक पहुंच रहे हैं। विशेष रूप से एंडरसन के स्तर के किसी व्यक्ति के साथ।ठ पूर्व कोच के अनुसार, नंबर 3 पर गिल के हालिया संघर्ष ने बल्लेबाज के सामने आने वाली चुनौतियों को दिखाया था, जिसके कारण उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और अनुकूलन क्षमता की आवश्यकता को महत्व दिया।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

रोहित के रूप में पहला शोएब बशीर ने टेस्ट डेब्यू विकेट मिलने के अनुभव का किया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंग्लैंड के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले 20 वर्षीय शोएब बशीर ने कहा कि दौरे के लिए वीजा मिलने में हुई देरी से हुई परेशानी अब बीती बात हो चुकी है। वह अपने पहले टेस्ट विकेट के रूप में रोहित शर्मा को आउट कर काफी खुश हैं। बशीर ने पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि यह मेरे लिए बहुत विशेष दिन रहा। बशीर ने आगे कहा पिछले दो तीन वर्षों में मैं जितनी चीजों से गुजरा हूं उसने इसे और खास बना दिया।

रोहित शर्मा के रूप में पहला विकेट लेना शानदार लग रहा है। वह बेहतरीन खिलाड़ी है वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक है और स्पिन खेलने वाला बेहतरीन खिलाड़ी है।वीजा मामले पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं, मुझे पता था कि मुझे वीजा मिल जायेगा। इसमें थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन हम यहां खेल रहे हैं और मैंने अपना डेब्यू कर लिया है। बस यही मायने रखता है।बता दें कि दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप्स तक भारत ने 6 विकेट खोकर 336 रन बना लिए हैं। भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल 179 रन बनाकर नाबाद लौटे। शुभमन गिल ने 34 रन का योगदान दिया। वहीं, रजत पाटीदार ने 32 रन बनाए। रेहान अहमद और बशीर को दो-दो विकेट मिले।

एनिमल की आलोचना पर संदीप रेड्डी वांगा ने किरण राव पर साधा निशाना बोल जाकर अमीर खान से पूछो

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। संदीप रेड्डी वांगा सिनेमा के जाने-माने निर्देशक हैं, जिन्होंने साल 2023 में 'एनिमल के रूप में ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है। यह फिल्म कमशिंयली सक्सेसफुल तो रही, लेकिन विवादों रेड्डी ने आमिर खान का नाम लेते हुए किरण राव को खरी-खोटी सुनाई है। जानिए उन्होंने क्या कहा।खैर, संदीप रेड्डी वांगा की फिल्मों की तारीफ भी होती है और आलोचना भी। कुछ समय पहले जावेद अख्तर ने संदीप

में भी छाई रही। लोगों ने इसे महिलाओं के खिलाफ बताया था। संदीप रेड्डी की फिल्म 'कबीर सिंह' के साथ भी ऐसा ही थी। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर सक्सेसफुल रही, लेकिन विवादों के साथ।एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने एक हालिया इंटरव्यू में आमिर खान की दूसरी एक्स वाइफ किरण राव पर निशाना साधा है। किरण ने हाल ही में संदीप की फिल्मों की आलोचना की थी जिसके बाद डायरेक्टर ने रिएक्ट किया। संदीप की इन फिल्मों पर तंज कसा था और फिर सुपरस्टार आमिर खान की दूसरी एक्स वाइफ किरण राव ने भी कहा कि संदीप रेड्डी वांगा की फिल्में स्त्रीद्वेष को बढ़ावा देती हैं। अब किरण के बयान पर संदीप का तीखा जवाब आया है।संदीप रेड्डी वांगा ने यह भी कहा कि किरण राव को दूसरों की फिल्मों पर निशाना साधने से पहले अपने पति आमिर खान की फिल्में देख लेनी चाहिए। उन्होंने एक फिल्म में अभिनेता का दुष्कर्म सीन का भी जिक्र किया। बकौल संदीप रेड्डा

कछुए की चाल से आगे बढ़ रही 'फाइटर' जानें फिल्म ने कमाए कितने करोड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फ्रेश जोड़ी की फिल्म 'फाइटर' को अब तक लोगों ने खूब प्यार दिया है। बालीवुड की पहली एरियल एक्शन फिल्म बताई जा रही इस मूवी में ऋतिक और दीपिका के साथ ही बाकी कलाकारों का अभिनय भी देखने लायक है। फिल्म ने शुरुआती एक हफ्ते में दबा कर नोट छापे। अब मूवी दूसरे हफ्ते में एंटर कर चुकी है।9 फ्रेश पेयरिंग दीपिका की ओपनिंग ली थी। एक हफ्ते में फिल्म ने 100 करोड़ पार कर लिया। 8 दिनों की जी तोड़ कमाई के बाद फिल्म के 9वें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है।फाइटर' ने 8 दिनों में दुनियाभर में 250 करोड़ का कलेक्शन पार कर लिया है। वहीं, डोमेस्टिक कलेक्शन में फिल्म 200 करोड़ पार करने के करीब है। फाइटर फिल्म ने रिलीज के दूसरे शुक्रवार यानी कि 9वें दिन 5 करोड़ का कलेक्शन किया।फाइटर फिल्म में ऋतिक और

पादुकोण और ऋतिक रोशन की सिजलिंग केमिस्ट्री और एक्टिंग से भरी फिल्म फाइटर का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर देखने को मिला। शुरुआती दिनों में फिल्म को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। पहले हफ्ते में ताबड़तोड़ बिजनेस करने वाली ये फिल्म अब सेकंड वीक में प्रवेश कर चुकी है।फाइटर फिल्म को बनाने वाले सिद्धार्थ आनंद हैं, जिन्होंने शाह रुख खान के साथ 'जवान' और 'पठान' बनाई है। गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म ने 24.60 करोड़ दीपिका के अलावा अनिल कपूर , करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय और संजीदा शेख भी इंपॉर्टेंट रोल में हैं। सिद्धार्थ की यह फिल्म इंडिया की पहली एरियल एक्शन फिल्म है। डायरेक्टर ने इस मूवी के धीमी हुई कलेक्शन की रफ्तार पर चुप्पी तोड़ी।फिल्म के लो कलेक्शन के लिए मेकर्स को ट्रोल किया जा रहा था। इस बारे में डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने करारा जवाब देते हुए कहा, 90 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो कभी प्लेन में बैठे ही नहीं। उन्हें कैसे पता चलेगा कि फिल्म में क्या हो रहा है।

दूसरी शादी के बाद फिल्म में कमबैक कर रहे हैं अरबाज खान, तेलुगु सिनेमा में करेंगे काम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।अभिनेता अरबाज खान काफी समय से अपनी दूसरी शादी के बाद सुखियों में बने हुए हैं, लेकिन अब वो अपने काम को लेकर लाइमलाइट में हैं। एक्टर जल्द साउथ सिनेमा में वापसी करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि अरबाज खान अपनी अगली अनटाइटल्ड फिल्म में अश्विन बाबू के साथ तेलुगु में वापसी करने के लिए तैयार हैं। बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान अभी तक शूरा खान के साथ दूसरी शादी को लेकर चर्चा फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, 'काफी समय के बाद, मैं विभिनन्‍ आयामों वाले एक पुलिस वाले का किरदार निभा रहा हूं और प्रोडक्शन बैनर उत्कृष्ट देखभाल सुनिश्चित करता है। फिल्म असाधारण रूप से अच्छी प्रगति कर रही है'।बता दें कि आने वाली मूवी गंगा एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। निर्माता महेश्वर रेड्डी ने फिल्म की विशिष्टता पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'यह एक विशिष्ट कहानी

में बने हुए थे लेकिन अब अभिनेता अपने काम को लेकर लाइमलाइट में हैं। दरअसल अरबाज खान जल्द साउथ फिल्म में नजर आने वाले हैं। एक्टर अरबाज अश्विन बाबू के साथ तेलुगु फिल्म में वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।अरजाब खान की अपकमिंग साउथ मूवी का निर्देशन न्यूकमर डायरेक्टर अप्सर कर रहे हैं। वहीं, यह महेश्वर रेड्डी द्वारा निर्मित है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है और अरबाज इसमें अहम भूमिका निभाएंगे।न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेलुगु सिनेमा में अपनी वापसी के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए अरबाज खान ने कहा कि वह और पटकथा के साथ एक समकालीन फिल्म है। हम गंगा एंटरटेनमेंट में अपने पहले प्रोडक्शन में अरबाज खान गारू के सहयोग से खुश हैं, जहां उन्होंने फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।बता दें कि अरबाज खान दिसंबर में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान के साथ शादी के बंधन में बंध गए हैं। यह निकाह अर्पिता खान के आवास पर हुआ, जिसमें सलमान खान और उनका पूरा परिवार मौजूद था। इसके बाद अरबाज ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें अरबाज और शूरा पोज देते नजर आए।

जब पूनम पांडे का छलका था दर्द, जाहिर की थी जिंदगी की ये बात, वायरल हुआ एक्ट्रेस का पुराना बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे की मौत के दावे ने मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी है। शुक्रवार को दिनभर इस खबर को लेकर सनसनी फैली रही। पूनम के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से सर्वाइकल कैंसर से उनकी मौत का पोस्ट सामने आया, जिसने उनके हर फैन को सकते में डाल दिया। इस बीच एक्ट्रेस का एक स्टेटमेंट वायरल हो रहा है, जो कभी उन्होंने कंगना के शो 'लॉक अप' में कहा था।चर्चित मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे की मौत को लेकर आई खबर को लेकर शुक्रवार के दिनभर सनसनी बनी रही। उनकी मौत की पुष्टि उनके इंस्टाग्राम हैंडल से की गई है। लॉक अप शो से घर-घर में फेमस हुईं पूनम पांडे का इसी शो से पुराना बयान वायरल हो रहा है। उन्होंने खुलासा किया था कि भारतीय नारी टाइप नहीं होने के लिए उन्हें क्या कुछ कहा गयापूनम पांडे की मौत की खबर उनके मैनेजर के हवाले से आई थी। इसके बाद एंटरटेनमेंट के गलियारों में ये खबर आग की तरह फैल गई। पूनम की मौत पर उनके सेलिब्रिटी फ्रेंड्स ने बयान दिए हैं। इस बीच कंगना के शो 'लॉक अप' से उनका एक स्टेटमेंट वायरल हो रहा है, जहां उन्होंने अपना दुखड़ा सुनाते हुए बताया था कि

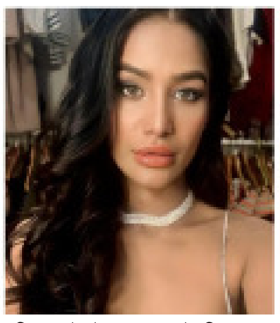

महिलाओं के द्वारा उन्हें कितना ज्यादा ट्रोल किया जाता रहा है। पूनम पांडे ने 2022 में 'लॉक अप' शो में पार्टिसिपेट किया था। एक एपिसोड में उन्होंने को-कंटेस्टेंट सारा खान के सामने खुलासा किया था कि 'भारतीय' नारी टाइप न होने के लिए उन्हें किस तरह जज किया गया है। पूनम ने कहा था, ''मुझे ज्यादातर महिलाओं ने जज किया है, मर्दों ने नहीं। ये सब इसलिए क्योंकि मैं भारतीय नारी टाइप नहीं हूं। मैं इंडियन कल्चर के अनुसार चीजें नहीं करती हूं। मुझे एलियन की तरह ट्रीट किया जाता है। पूनम पांडे, ये नाम सुनते ही लोग अजीब तरह से रिएक्ट करने लग जाते हैं।एक्ट्रेस ने आगे कहा कि उन्हें ये सब सुनकर बुरा लगता है क्योंकि वो किसी की बीवी या बहू नहीं हैं, लेकिन किसी की बेटी जरूर हैं। पास्ट में उन्होंने कुछ चीजें की हुई हैं, जिसके लिए उन्हें पूरी तरह से नकार दिया जाता है।

नहीं रहे हॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता कार्ल वेदर्स 76 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस प्रीडेटर में निभाई थी अहम भूमिका

न्यूयॉर्क। रॉकी और प्रीडेटर समेत कई फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले हॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता का कार्ल वेदर्स का गुरुवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 76 साल की थी। उनकी मौत की पुष्टि उनके मैनेजर ने की।रॉकी और प्रीडेटर समेत कई फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले हॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता का कार्ल वेदर्स का गुरुवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 76 साल की थी। उनकी मौत की पुष्टि उनके मैनेजर ने की। उनके मैनेजर के मुताबिक कार्ल वेदर्स की मृत्यु उनके घर में ही हुई। हालांकि उनकी मौत कारण अभी सामने नहीं आया है।कार्ल वेदर्स ने कई फिल्मों और टीवी शो में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से सभी को अपना फैन बना लिया था। उनके मैनेजर के मुताबिक कार्ल वेदर्स की मृत्यु उनके घर में ही हुई। हालांकि उनकी मौत कारण अभी सामने नहीं आया है।सीएनएन के मुताबिक उनके परिवार ने बयान में कहा कि कार्ल एक असाधारण इंसान थे जिन्होंने असाधारण जीवन जीया। फिल्म, टेलीविजन, कला और खेल में अपने योगदान के माध्यम से, उन्होंने एक अमिट छाप छोड़ी है। दुनिया उनको उनके काम के लिए याद करेगी। परिवार ने बयान में कहा कि कार्ल एक प्यारे भाई, पिता, दादा, साथी और दोस्त नहीं था। वेदर्स ने रॉकी में अपोलो क्रीड की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया और उसमें सिलेक्ट हो गए। इसके बाद उन्होंने ऑस्कर विजेता फिल्म रॉकी के तीन सीक्वल में काम किया। वह मुक्केबाजी के दिग्गज मुहम्मद

थे।रॉकी में काम करने से पहले वह एक फुटबॉल खिलाड़ी थे और उनको बॉक्सिंग का कोई अनुभव अली को अपना प्रेरणास्रोत मानते थे, इस बात का जिक्र उन्होंने कई इंटरव्यू में किया था।

एआई पर दोष लगा रहे हैं डीपफेक पर शाहिद कपूर और कृति सेननने किया रिएक्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। शाहिद कपूर और कृति सेनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' को लेकर सुखियों में बने हुए हैं। दोनों जमकर फिल्म का प्रमोशन करते हुए नजर आ रहे हैं। अब फिल्म प्रमोशन के दौरान शाहिद और कृति ने इंटरनेट पर अचानक बढ़ रहे डीपफेक वीडियो को लेकर अपने विचार साझा किए हैं।डीपफेक तकनीक तेजी से एक महत्वपूर्ण चिंता के रूप में सामने आ रही है और अभी तक कई बॉलीवुड हस्तियां डीपफेक का शिकार हो चुकी हैं।बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और कृति सेनन की जोड़ी जल्द फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में दिखाई देने वाली है। ऐसे में दोनों अपनी इस फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में डीपफेक वीडियो को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। कृति ने भी इस मामले में चिंता जाहिर की है। चलिए जानते हैं उनकी राय।दिल्ली में अपनी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के प्रमोशन के दौरान शाहिद कपूर ने इंटरनेट पर अचानक बढ़े डीपफेक वीडियो पर अपनी राय साझा की। उन्होंने इंडिया टुडे से कहा, 'इंसान खुद समस्या है। हम एआई पर दोष लगा रहे हैं। हम रियलिटी में नहीं रहने के आदी हैं। हम सोशल मीडिया पर कुछ और ही पेश करते रहते हैं जो हकीकत नहीं है और हम सोशल चीज है। मानव निर्मित और भगवान द्वारा निर्मित के बीच अंतर है। इस फिल्म में यही है, जिसे बारीकी से दिखाया गया है'।दूसरी तरफ कृति सेनन ने भी इसके बारे में बात करते हुए कहा कि यह चिंताजनक है और कई रूपांतरित बातें सामने आईं। वहीं,

मीडिया पर जो देखते हैं उससे वास्तविकता की तुलना करते रहते हैं। फिर वो इंसान को डिप्रेशन में ले जाता है। यही सच्चाई है'।अभिनेता ने आगे कहा कि मानवता एक वैकल्पिक वास्तविकता की तलाश में है, जो एआई है। यह एक रिश्ते की तरह ही मौलिक एआई-जनरेटेड न्यूज एंकर भी हैं, जिसका मतलब है कि हम वास्तव में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए आने वाले सालों में एआई पार्टनर भी संभव है'।बता दें कि दोनों की फिल्म आने वाले 9 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जिंदा हैं पूनम पांडे, बताया क्यों फैलाई थी मौत की अफवाह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे की डेथ की न्यूज ने सभी को झकझोर कर रख दिया था। शुक्रवार को एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम अकाउंट से उनके मैनेजर ने सर्वाइकल कैंसर की वजह से उनकी मौत की जानकारी दी थी, जिसके बाद ये खबर सोशल मीडिया पर फैल गई। हालांकि, कुछ ने इसे पूनम का पब्लिसिटी स्टंट भी में डाल दिया। कई को यकीन नहीं हुआ की पूनम की सच में मौत हो चुकी है। इस बीच एक्ट्रेस का वीडियो सामने आया है जिसमें उन्होंने खुद के जिंदा होने की बात कही है।शुक्रवार को पूनम पांडे की मौत की खबर ने मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी। तमाम फैंस और सेलिब्रिटी फ्रेंड्स ने एक्ट्रेस की अचानक आई मौत की खबर पर दुख

जताया। सोशल मीडिया पर ऐसी भी खबरें आईं कि पूनम की फैमिली को भी कॉन्टैक्ट किया, लेकिन वहां से कोई रिस्पांस नहीं आया। अब पूनम पांडे के अकाउंट से ही उनके दो बैक टू बैक वीडियो सामने आए हैं।इसी के साथ पूनम ने एक और

बताया था। पूनम की सच में डेथ हुई है या ये पीआर स्टंट था, इसकी सच्चाई सामने आ गई है।मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे की मौत की खबर ने एंटरटेनमेंट जगत में सनसनी मचा दी। शुक्रवार को आई एक्ट्रेस की मौत की खबर ने उनके हर फैन को सकते वीडियो शेयर किया, जिसमें वह इस अफवाह को फैलाने के लिए माफी मांगती नजर आ रही हैं। पूनम ने कहा कि उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए अवेयरनेस फैलाने के लिए अपनी मौत की झूठी खबर फैलाई।

टीवी कलाकारों को कमतर समझने वालों को रूपाली गांगुली ने दिया जवाब, वेब सीरीज एक्टर के बारे में बोल दी कड़वी बात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कई कलाकार कह चुके हैं कि जब वह टीवी से दूसरे माध्यमों पर काम करने जाते हैं, तो उन्हें यथोचित मान नहीं मिलता। ऐसे लोगों को अनुपमा शो में शीर्षक भूमिका निभा रही रूपाली गांगुली ने आड़े हाथों लिया है। उन्होंने टीवी और फिल्मों में काम करने के अंतर को भी बताया।टीवी कलाकारों को कमतर समझने वालों को रूपाली गांगुली ने जवाब देते हुए कहा कि मेरे साथ कई बार ऐसा हुआ है जब लोगों ने कहा है कि ओह तुम टीवी एक्टर हो। लेकिन मैं कहती हूं कि जो टीवी में एक्टिंग कर सकते हैं वो फिल्म एक्टर नहीं कर सकते हैं। जो लोग कहते हैं कि मैं वेब सीरीज बार ऐसा हुआ है, जब लोगों ने कहा है कि ओह तुम टीवी एक्टर हो। लेकिन मैं कहती हूं कि जो टीवी में एक्टिंग कर सकते हैं, वो फिल्म एक्टर नहीं कर सकते हैं। जो लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि मैं वेब सीरीज करता हूं या फिल्में करती हूं। मेरी नजरों में वह टीवी करने के योग्य नहीं है। फिल्मों में वर्कशाप करने का वक्त मिलता है। टीवी में जरूरत नहीं पड़ती है, क्योंकि इतना वक्त नहीं होता है। मैं उन लोगों से यही कहूंगी टीवी में आओ अपने आप सीख जाओगे।आगे रूपाली ने कहा कि अनुपमा में जो मैंने गुजराती उच्चारण पकड़ा है, वह किसी वर्कशाप से नहीं किया है। अपने आसपास के लोगों

करता हूं वह टीवी करने के योग्य नहीं है।अनुपमा कहती हैं कि अगर मैं फिल्मों में होती तो मुझे लगता है कि मैं एक बड़े से तालाब की छोटी सी मछली बनकर रह गई होती। जब मैं सिनेमा में जाने का प्रयास कर रही थी, तब प्रयोगात्मक काम कहां होते थे। अभिनेत्रियां केवल हीरो के लिए आकर्षण मात्र बनकर रह जाती थीं।उन्होंने कहा कि मेरे साथ कई से सीखा है। कलाकार वह होता है, जो आसपास की चीजों को बारीकी से देखे। लोग कहते हैं कि एक ही शो और किरदार कैसे कर लेती हो। लेकिन मैं तो रोज सेट पर जाने के लिए उत्सुक रहती हूं। हर सीन के साथ डरी हुई रहती हूं। मैंने 36 पेज के भी संवाद बोले हैं। जिसमें ढाई एपिसोड निकले हैं। उसकी टीआरपी भी अच्छी आई थी।

मनोज बाजपेयी की कार्तिक आर्यन की तारीफ बोले- इंडस्ट्री में आउटसाइडर का सच्चा प्रतिनिधि

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन फिल्मों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने फिल्मी बैकग्राउंड से न होने के बाद भी जबरदस्त एक्टिंग से लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। अब वह जल्द 'चंदू चैंपियन' में दिखाई देने वाले हैं, जिसके लिए एक्टर जमकर मेहनत कर रहे है हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन खास तौर से अपने पसंदीदा लड़के कार्तिक आर्यन को समर्पित किया।मनोज बाजपेयी ने अपनी विनिंग स्पीच देते हुए कार्तिक को मंच पर बुलाया और उन्हें इंडस्ट्री में आउटसाइडर लोगों का सच्चा प्रतिनिधि बताया और अपना अवॉर्ड भी उन्हें समर्पित किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया में भी काफी वायरल हो रहा हैमनोज बाजपेयी को वीडियो में

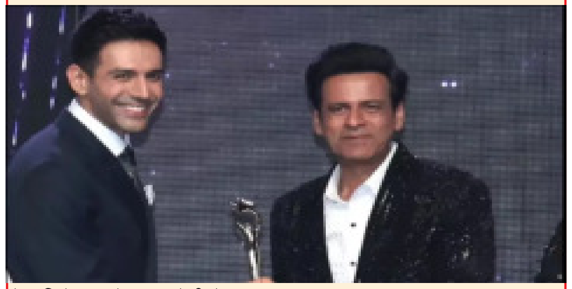

में अभिनेता मनोज बाजपेयी ने एक्टर कार्तिक आर्यन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कार्तिक को बाहर से आने वाले सभी लोगों का सच्चा प्रतिनिधि बताया है। सिर्फ इतना ही नहीं उन्होंने अपना अवॉर्ड भी कार्तिक को समर्पित किया है। मनोज बाजपेयी का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैअब हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन में अभिनेता मनोज बाजपेयी ने भी उनकी तारीफ की। इसके साथ ही जो अवॉर्ड उन्हें मिला वो भी उन्होंने कार्तिक को समर्पित कियादरअसल, हाल ही में अभिनेता कार्तिक आर्यन ने एक अवॉर्ड शो में भाग लिया। जहां उन्हें सत्यप्रेम की कथा में सत्तू के संवेदनशील किरदार के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक) का अवॉर्ड मिला। वहीं, जब मनोज बाजपेयी को अवॉर्ड मिला, तो उन्होंने यह अवॉर्ड कहते हुए सुना जा सकता है कि कार्तिक अपनी आंखों में सितारे लेकर बाहर से आने वाले सभी लोगों के सच्चे प्रतिनिधि हैं और इसे सरासर लचीलापन, बुद्धिमत्ता और पूर्ण समर्पण के साथ बनाते हैं। इसलिए निर्देशक द्वारा धन्यवाद देने से पहले, मैं आपको और आप जैसे सभी अभिनेताओं को धन्यवाद देता हूं जो इतना साहस जुटा रहे हैं।जो इस बड़ी बुरी सिटी मुंबई आए हैं और दरवाजा खुलने तक हर समय जोर-जोर से, जोर-जोर से और जोर-जोर से दरवाजा खटखटाते रहते हैं, जब तक वह खुल न जाए। तो यह आपके लिए भी है, कार्तिक।बता दें कि कबीर खान द्वारा निर्देशित कार्तिक की अगली फिल्म चंदू चैंपियन जून 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आलिया भट्ट और शरवती की स्पाई यूनिवर्स फिल्म को मिला डायरेक्टर, आदित्य चोपड़ा संग मिलाया हाथ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।आदित्य चोपड़ा के यश राज फिल्म्स वाइआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला लीड स्पाई फिल्म में और शरवरी मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाली हैं। अब इस फिल्म को लेकर एक और बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि इस मूवी को कौन डायरेक्ट

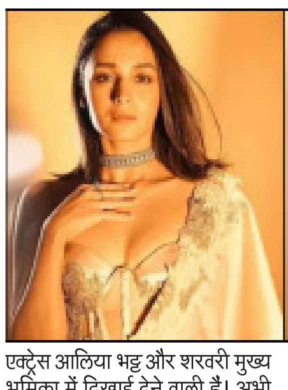

एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाली हैं। अभी तक इस मूवी का निर्देशन कौन कर रहा है इसे लेकर कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन अब इस पर अपडेट सामने आ रहा है।अभी तक आदित्य चोपड़ा के यश राज फिल्म्स वाइआरएफ ने कई स्पाई यूनिवर्स फिल्म का निर्माण किया है। अब वह जल्द ही पहली महिला लीड स्पाई फिल्म लेकर आने वाले हैं। इस मूवी में आलिया भट्ट करने वाला है।एचटी ने पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह बताया है कि निर्माताओं ने वाइआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म के निर्देशक के नाम पर मुहर लगा दी है।पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स ने आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर अपनी पहली महिला जासूसी फिल्म के लिए निर्देशक शिव रवैल को चुना है। शिव रवैल ने ही 'द रेलवे मैन' का भी निर्देशन किया था और अब वह बिना टाइटल वाली इस फिल्म के लिए तैयार हैं।'द रेलवे मैन' के साथ निर्देशक के तौर पर अपना डिजिटल डेब्यू करने से पहले शिव ने आदित्य चोपड़ा के साथ सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है। बता दें कि 'द रेलवे मेन' डिजिटल दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शो में से एक है। खबर के अनुसार, आदित्य चोपड़ा और शिव रवैल पिछले कुछ समय से एसोसिएशन पर चर्चा कर रहे हैं और चीजें अब कागज पर हैं।बताया जा रहा है कि आलिया और शरवरी स्टारर की इस मूवी की शूटिंग मई के आस-पास मुंबई में शुरू होगी। यह आदित्य चोपड़ा के स्पाई यूनिवर्स की आने वाली पेशकश होगी। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत 'एक था टाइगर' से हुई थी। इसके बाद 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर', 'पठान', 'टाइगर-3', रिलीज हुई। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म वॉर 2 होगी, जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर अभिनीत होंगे, इसके बाद आलिया भट्ट और शारवरी की फिल्म होगी।

फाइटर भी नहीं कर पा रही हनु मैन का खेल खत्म, 21 दिनों में हुआ इतने करोड़ का बिजनेस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।तेलुगु फिल्म 'हनु मैन' की रफ्तार कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। ऋतिक रोशन-दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'फाइटर' के आगे हनु मैन ने बड़ी मजबूती के साथ अपने कदम टिकाए हुए हैं।हनु मैन ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी धाक जमाई है जिसे फाइटर भी अपनी जगह से नहीं हिला पा रहा है। रिलीज के 21वें दिन भी ये फिल्म करोड़ों का कारोबार कर रही है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर जल्द ही हनु मैन 200 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली है। फिल्म ने हिंदी और तेलुगु में 21वें दिन कितना कारोबार किया देखते हैं।एक तरफ जहां फाइटर की वर्किंग डेज पर कमाई लगातार घट रही है, तो वहीं तेजा सज्जा और वारालक्ष्मी स्टारर फिल्म 'हनु मैन' रिलीज के इतने दिनों बाद भी तेलुगु भाषा में जहां करोड़ों का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बिजनेस कर रही है, तो वहीं दूसरी तरफ हिंदी में भी फिल्म ने अपनी पकड़ मजबूत बनाई हुई है। चलिए जानते हैं कि 21 दिनों में हनु मैन ने किस भाषा में कितनी कमाई की है-हनु मैन तेलुगु भाषा की फिल्म है, जिसे मेकर्स ने ओरिजिनल लैंग्वेज के अलावा हिंदी-तमिल, मलयालम और कनन्ड़ भाषा में भी रिलीज किया है। हनु मैन को सबसे ज्यादा अच्छा रिस्पॉन्स हिंदी और तेलुगु भाषा में मिल रहा है। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिंदी भाषा में फिल्म रिलीज के 21वें दिन भी ठीकठाक बिजनेस कर रही है।इस फिल्म ने गुरूवार को घरेलू बॉक्स ऑफिस पर जहां हिंदी भाषा में लगभग 41 लाख रुपए का कारोबार किया, तो वहीं तेलुगु भाषा में फिल्म रिलीज के इतने दिनों बाद

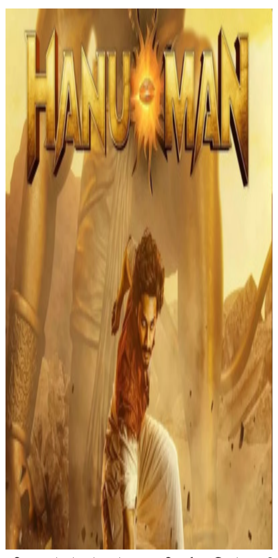

भी करोड़ों में खेल रही है। रिपोर्ट्स अनुसार हनु मैन ने रिलीज के 21वें दिन तेलुगु में 1.25 करोड़ के आसपास का बिजनेस किया है। तमिल-मलयालम और कनन्ड़ भाषा में 'हनु मैन' हर दिन 1 से 2 लाख की कमाई कर रही है।हनु मैन ने हिंदी भाषा में अब तक 45.48 करोड़, तमिल में 1.57 करोड़, तेलुगु में 131.52 करोड़ का टोटल बिजनेस कर लिया है। ग्रॉस कलेक्शन के मामले में तो हनु मैन इंडियन बॉक्स ऑफिस पर पहले ही 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है, लेकिन नेट कमाई के मामले में अब भी इस फिल्म को इस क्लब में शामिल होने के लिए 20 करोड़ रुपए का कारोबार करना जरूरी है।इस फिल्म ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर नेट कमाई 180 करोड़ की कर ली है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइटर' की रिलीज के बाद हर किसी को यही लगा था कि 'हनु मैन' का दम टूट जाएगा, लेकिन ऐसा होती नहीं दिख रहा। फाइटर के लिए हनु मैन को बॉक्स ऑफिस से हटाना बेहद ही मुश्किल लग रहा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608783/10
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।